RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 276 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 05-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 केशव का अखिलेश पर तंज, बोले- 'जनता अब उनकी सुनने को तैयार नहीं'

6 भगवा लहर ने ममता का क़िला किया ध्वस्त

7 एक्टर्स को ज्यादा समान मिलना चाहिए : रश्मि देसाई

चुनावी खबर

टीवीके प्रमुख विजय पेरंबूर सीट से जीते

चेन्नई/भाषा। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने तमिलनाडु विधानसभा की पेरांबूर सीट पर सोमवार को जीत दर्ज की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के आर. डी. शेखर को हराया। बाद में, उन्होंने लोयोला कॉलेज मतगणना केंद्र पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त किया। मतगणना केंद्र के बाहर पीले और मैरून झंडों का सैलाब उमड़ पड़ा। इसके साथ ही विजय ने विधानसभा के लिये फिल्मी पर्दे को छोड़ दिया और एक ही झटके में दशकों से प्रदेश में चले आ रहे दो-दलीय प्रभुत्व को समाप्त कर दिया।

कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में हारे मुख्यमंत्री स्टालिन

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को सोमवार को कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में टीवीके उम्मीदवार वीएस बाबू ने 8,795 मतों के अंतर से हरा दिया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, बाबू को 82,997 वोट, जबकि स्टालिन को 74,202 वोट मिले। बाबू ने कहा कि तमिलागा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और 'थंगा थलपति' विजय ने जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि टीवीके के सभी उम्मीदवारों की जीत वास्तव में विजय की जीत है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, टीवीके ने 34 सीटें जीती हैं और 74 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने 16 सीटें जीती हैं और 46 सीटों पर आगे है।

15,000 से अधिक मतों के अंतर से शुभेंदु अधिकारी से हारी ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक नक्शा बदलने वाली ममता बनर्जी ने न सिर्फ 15 वर्षों के अपने शासन वाले राज्य में सत्ता गंवा दी है, बल्कि उन्हें अपने राजनीतिक गढ़ भवानीपुर में भी करारी शिकस्त मिली। तृणमूल कांग्रेस, सरकार और विचारधारा को एक ही धुरी पर लाने वाली पार्टी प्रमुख के लिए बंगाल में जनता का फैसला केवल चुनावी नहीं है, बल्कि अस्तित्व का सवाल बन गया है। भाजपा ने दो-तिहाई बहुमत के साथ सत्ता हासिल कर तृणमूल के 15 साल के शासन का अंत कर दिया है, जबकि राजनीतिक रूप से उसे बनर्जी के गृह क्षेत्र भवानीपुर सीट पर हार से भी बड़ा झटका लगा है, जहां भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें 15,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया।

05-05-2026 सूर्यास्त 6:24 बजे | 06-05-2026 सूर्योदय 5:46 बजे

BSE 77,269.40 (+355.90) | NSE 24,119.30 (+121.75)

सोना 15,406 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 257,000 रु. प्रति किलो

पांच राज्यो के विधानसभा चुनावों के परिणाम

तमिलनाडु में टीवीके का दमदार प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा को निर्णायक बढ़त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई/भाषा। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की मतगणना के बाद राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट हो गई है।

निर्वाचन आयोग के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में पहली बार सरकार बनाने की स्थिति में पहुंच गई है और 294 में से 206 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। यह आंकड़ा 147 के बहुमत के स्तर से काफी अधिक है और राज्य में भाजपा की मजबूत पकड़ को दर्शाता है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस 81 सीटों पर सिमटती नजर आई, जबकि अन्य दलों का प्रदर्शन सीमित रहा।

असम में भी भाजपा ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए 126 में से 82 सीटों पर जीत दर्ज की, जिससे राज्य में उसकी सरकार की वापसी तय हो गई है। कांग्रेस को 19 सीटों पर संतोष करना पड़ा, जबकि अन्य दल ज्यादा प्रभाव नहीं दिखा सके।

तमिलनाडु में अभिनेता-नेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने पहली बार चुनाव लड़ते हुए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके 107 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि द्रमुक 60 और अन्नाद्रमुक 47 सीटों पर रही। हालांकि टीवीके पूर्ण बहुमत से कुछ पीछे है, लेकिन सरकार गठन के लिए उसके पास मजबूत आधार मौजूद है।

केरल में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने स्पष्ट बढ़त को जीत में बदलते हुए सत्ता में वापसी कर ली है और 140 में से 100 से अधिक सीटों पर जीत/बढ़त हासिल की है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को इस बार हार का सामना करना पड़ा।

पुडुचेरी में ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन एक बार फिर सरकार बनाने की स्थिति में है। 30 सदस्यीय विधानसभा में गठबंधन ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि द्रमुक को 5, भाजपा को 4 और टीवीके को 2 सीटें मिली हैं।

इन चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग राजनीतिक रुझान उभरकर सामने आए हैं। जहां पूर्वी भारत में भाजपा का प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा, वहीं दक्षिण भारत में नए और क्षेत्रीय राजनीतिक विकल्पों ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

▪ केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की सत्ता में वापसी

▪ पुडुचेरी में राजग की पकड़ बरकरार

असम — विधानसभा क्षेत्र 123* /126

दल का नाम	आगे	विजयी
भारतीय जनता पार्टी	0	82
इंडियन नेशनल कांग्रेस	0	19
बोडो पीपुल्स फ्रंट	0	10
असम गण परिषद	0	10
ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट	0	2
बहुमत के लिए 64 सीटें		

केरलम — विधानसभा क्षेत्र 126* /140

दल का नाम	आगे	विजयी
इंडियन नेशनल कांग्रेस	0	63
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	0	26
इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	0	22
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी	0	8
केरल कांग्रेस	0	7
बहुमत के लिए 71 सीटें		

पुडुचेरी — विधानसभा क्षेत्र 26* /30

दल का नाम	आगे	विजयी
अखिल भारतीय एन. आर. कांग्रेस	0	12
द्रविड़ मुनेत्र कडगम	0	5
भारतीय जनता पार्टी	0	4
इंडियन नेशनल कांग्रेस	0	3
तमिलगा वेट्री कड़गम	0	2
बहुमत के लिए 16 सीटें		

तमिलनाडु — विधानसभा क्षेत्र 223* /234

दल का नाम	आगे	विजयी
टीवीके	0	107
द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके)	1	59
अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एडीएमके)	0	47
इंडियन नेशनल कांग्रेस	0	5
पाट्टाली मक्कल काची	0	4
बहुमत के लिए 118 सीटें		

पश्चिम बंगाल — विधानसभा क्षेत्र 292* /294

दल का नाम	आगे	विजयी
भारतीय जनता पार्टी	0	206
तृणमूल कांग्रेस	1	80
इंडियन नेशनल कांग्रेस	0	2
आम जनता उन्नयन पार्टी	0	2
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	0	1
बहुमत के लिए 148 सीटें		

उपचुनाव : विभिन्न राज्यों में मिले मिश्रित संकेत

इसी बीच, देश के विभिन्न राज्यों में हुए विधानसभा उपचुनावों के नतीजों ने भी राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित किया है। गुजरात के उमरेठ सीट पर भाजपा के हर्षदभाई गोविंदभाई पटेल ने जीत दर्ज की, जबकि कर्नाटक के बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने बाजी मारी। महाराष्ट्र के बारामती सीट पर सुनेत्रा अजित पवार ने जीत हासिल की, वहीं राहुरी सीट भाजपा के खाते में गई। इसके अलावा नगालैंड के कोरिडांग सीट और त्रिपुरा के धर्मनगर सीट पर भी भाजपा उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

मोदी ने बंगाल में भाजपा की जीत पर कहा

यह बदलाव का समय है, बदले का नहीं

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि ''आज से बंगाल भयमुक्त हुआ है'' और यह बदलाव का समय है, बदले का नहीं। उन्होंने सभी दलों से राजनीतिक हिंसा की संस्कृति को त्यागने और राज्य के भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने की भी अपील की।

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन (संशोधन) विधेयक का विरोध की कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों को कड़ी सजा मिली है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) को भी जल्द ही महिलाओं के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। उनका इशारा उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों की ओर था।

करीब 50 मिनट के अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस साल के चुनाव खास रहे हैं, क्योंकि इससे पहले के चुनावों में हिंसा, भय और निर्दोष लोगों की मौत होती थी। उन्होंने कहा कि लेकिन इस बार खबर अलग थी, क्योंकि पश्चिम बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान हुआ और ऐसा पहली बार हुआ कि मतदान के दौरान किसी की जान नहीं गई।

मोदी ने कहा, ''बंगाल बदलाव के एक नये दौर में प्रवेश कर रहा है, मैं बंगाल की हर राजनीतिक पार्टी से एक अपील करना चाहता हूं। पिछले कई दशकों में बंगाल में राजनीतिक हिंसा के कारण अनगिनत लोग प्रभावित हुए हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि बंगाल की यह चुनावी संस्कृति आज

निर्वाचन आयोग की मदद से भाजपा ने बंगाल, असम में चुनाव चोरी किए : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि

पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग की मदद से चुनाव की चोरी की है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस दावे का समर्थन किया कि पश्चिम बंगाल में 100 सीट की लूट की गई है। गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, भाजपा द्वारा निर्वाचन आयोग के सहयोग से असम और बंगाल के चुनाव चोरी किए जाने के स्पष्ट मामले हैं। हम ममता जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से ज्यादा सीट चोरी हो गईं। गांधी ने कहा, हमने पहले भी यह तरकीब देखी है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और पिछले लोकसभा चुनाव में यह देखने को मिला था। उन्होंने कहा, चुनाव चोरी, संस्था चोरी – अब और चारा ही क्या है!

जनता के फैसले का सम्मान करती है द्रमुक, पार्टी का सफर जारी रहेगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी जनता के फैसले का सम्मान करती है और उसे स्वीकार करती है। स्टालिन ने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ दल के रूप में शानदार काम करने वाली उनकी पार्टी अब मुख्य विपक्षी दल के रूप में भी अच्छा काम करेगी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में स्टालिन ने कहा, ''मैं जनता के फैसले का सम्मान करता हूं...द्रमुक की राजनीतिक यात्रा जारी रहेगी।''

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रंगासामी थट्टनचावडी, मंगलम से जीते

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एवं अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) नेता एन. रंगासामी ने सोमवार को थट्टनचावडी और मंगलम सीट से जीत हासिल की। केंद्र शासित क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के तहत नौ अप्रैल को मतदान हुए थे। मुख्यमंत्री रंगासामी ने अपने गढ़ थट्टनचावडी में नेयम मक्कल कषगम (एनएमके) के प्रतिद्वंद्वी ई विनायगम को 4,441 वोटों से हराया, वहीं मंगलम में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एस एस रंगन को 7,050 वोटों से पराजित किया। इससे पहले भी रंगासामी दो सीटों से चुनाव लड़ चुके हैं। उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनावों में यानम और थट्टनचावडी से चुनाव लड़ा था। हालांकि, यानम में उन्हें करारी हार मिली, जबकि थट्टनचावडी में वह विजयी हुए। अब उन्हें इनमें से एक सीट खाली करनी पड़ सकती है।

अमेरिकी पोत पर हमला हुआ, तो ईरान को मिटा दिया जाएगा : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे फंसे हुए जहाजों को सुरक्षा प्रदान कर रहे अमेरिकी जहाजों पर हमला करता है तो ''धरती के नक्शे से उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा।''

ट्रंप का 'फॉक्स न्यूज' को दिया गया बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान ने कुछ जहाजों पर कथित तौर पर हमला किया है जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर अमेरिकी केंद्रीय कमान द्वारा शुरू की गई 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजारा जा रहा था।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर दावा किया कि ईरान ने कुछ जहाजों पर हमला किया है, जिनमें एक दक्षिण कोरियाई मालवाहक जहाज भी शामिल है, जिसे जलडमरूमध्य से गुजारा जा रहा था, जो 28 फरवरी को ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से प्रभावी रूप से बंद है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''ईरान ने प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत जहाजों की आवाजाही के संबंध में कुछ अन्य देशों को लक्षित किया है, जिनमें दक्षिण कोरियाई मालवाहक जहाज भी शामिल है। शायद अब दक्षिण कोरिया के लिए इस मिशन में शामिल होने का समय आ गया है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी सेना ने सात छोटी नौकाओं को निशाना बनाया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को दिखाई भारत की सैन्य क्षमताएं : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/प्रयागराज/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ से कुछ दिन पहले सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अभियान को भारतीय सेना द्वारा उन्नत तकनीक का उपयोग करके आतंकी समूहों और उनके आकाओं पर निर्णायक प्रहार करने का एक 'अद्वितीय' उदाहरण बताया।

प्रयागराज में न्यू कैंट क्षेत्र में आयोजित 'नॉर्थ टेक सिंपोजियम' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों ने ''धैर्य'' दिखाते हुए आतंकी ढांचे को नष्ट करने में दक्षता दिखाई। इस अभियान ने पूरी दुनिया को भारतीय सेना की क्षमताओं का एहसास कराया।

भारत ने पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था जिसका लक्ष्य पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में स्थित आतंकी ढांचे को निशाना बनाना था।

इन हमलों के कारण चार दिन तक भीषण सैन्य संघर्ष हुआ और इसे 10 मई को रोकने पर सहमति बनी।

सिंह ने कहा, ''हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को जो निर्णायक जवाब दिया, उससे पूरा देश गौरवान्वित हुआ। अच्छी बात थी कि हमने धैर्य दिखाया और केवल आतंकवादियों को तबाह किया; अन्यथा, पूरी दुनिया जानती है कि हमारे सशस्त्र बल क्या करने में सक्षम हैं।''

रक्षा मंत्री ने इस अभियान को तकनीक के उपयोग का एक अनूठा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, इस अभियान में आकाश और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई नवीनतम उपकरणों का इस्तेमाल किया गया।''

भारत-जमैका संबंधों में 'निरंतरता और परिवर्तन' जैसी विशेषता हैं : जयशंकर

किंग्सटन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और जमैका के बीच संबंध ''निरंतरता और बदलाव'' से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि यह संबंध साझा इतिहास पर आधारित हैं जो वर्तमान सहयोग से मजबूत हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर अग्रसर है।

'जमैकन ग्लीनर' अखबार में रविवार को प्रकाशित एक लेख में जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों को ''एक गहरी और अधिक लचीली साझेदारी बनाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना चाहिए जो दोनों देशों के लोगों के लिए काम करे और एक अधिक न्यायपूर्ण विश्व के निर्माण में योगदान दे''। भारत और जमैका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयशंकर शनिवार को कैरेबियाई देश की अपनी पहली यात्रा पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय का जमैका के साथ 180 वर्षों से संबंध है। उन्होंने कहा, ''भारतीय प्रवासी समुदाय का यही रिश्ता हमारे संबंधों को एक विशेष रंग प्रदान करता है''। उन्होंने बताया कि कई भारतीयों के लिए जमैका का नाम सुनते ही माइकल होल्डिंग और क्रिस गेल का क्रिकेट, बॉब मार्ले और जिमी क्लिफ का संगीत, उसेन बोल्ट और एलेन थॉम्पसन-हेराह का एथलेटिक्स तथा सांस्कृतिक हस्ती मिस लू के लेखन की याद आ जाती है।

जयशंकर ने कहा कि ये संबंध ''दोनों देशों के बीच गहरे जुड़ाव को दर्शाते हैं, जिसमें 'ग्लोबल साउथ' और राष्ट्रमंडल की सदस्यता शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''भारत और जमैका दोनों बहुलवादी समाज, राजनीतिक लोकतंत्र और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह रिश्ता अंततः निरंतरता और परिवर्तन की एक कहानी है, जो एक साझा अतीत में निहित है, वर्तमान सहयोग से प्रगाढ़ हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर उन्मुख है।''

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

व्याकुल प्रतिभाएं

नक्काल हो रहे हाईटेक,
प्रतिभाएं व्याकुल पढ़ने से।
आरक्षित कोटे रोक रहे,
मेधा को आगे बढ़ने से।
हो रहा पतन विद्वानों का,
नेताओं के मद चढ़ने से।
मच रही लूट आपाधापी,
अपने-अपने हित गढ़ने से।।

केरल में एलडीएफ को बड़ा झटका, 21 में से 13 मंत्री चुनाव हारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली 21 सदस्यीय वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) कैबिनेट के तेरह सदस्य हार गए हैं।

राज्य की 21 मंत्रियों में से केवल मुख्यमंत्री, के. राजन (राजस्व), जी.आर. अनिल (नागरिक आपूर्ति), के. एन. बालगोपाल (वित्त), पी. प्रसाद (कृषि) और साजी चेरियन (सांस्कृतिक मामलों) ही विजयी हुए।

हारने वालों में स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज प्रमुख हैं, जो अरनमुला से तीसरी बार चुनाव लड़ रही थीं। जॉर्ज को एलडीएफ सरकार के अंतिम वर्ष में चिकित्सा लापरवाही की कथित घटनाओं को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। वह कांग्रेस उम्मीदवार अबिन वरकी से 18,985 वोट से हार गईं।

वरकी को 70,083 वोट मिले, जबकि जॉर्ज को 51,098 वोट मिले। वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता कुम्मनम राजशेखरन 34,983 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

अप्रत्याशित नतीजों में, लोकप्रिय कैबिनेट सदस्यों में गिने जाने वाले देवस्वोम मंत्री वी एन वासवन, कोट्टायम के एट्टुमानूर में कांग्रेस उम्मीदवार नट्टाकोम सुरेश से 19,752 वोट से हार गए। शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने तिरुवनंतपुरम के नेमोम निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ कड़ी टक्कर दी, लेकिन 3,500 से अधिक वोट से हार गए। एक और हाई-प्रोफाइल हार केरल कांग्रेस (बी) के नेता और परिवहन मंत्री के बी गणेश कुमार की थी, जिन्हें 2001 के बाद अपने चुनावी करियर में पहली बार हार का सामना करना पड़ा। वे कांग्रेस उम्मीदवार ज्योति कुमार चमाक्कला से 8,310 वोट से हार गए। केरल कांग्रेस (एम) नेता एवं एलडीएफ मंत्री रोशी ऑगस्टीन को भी इडुक्की में करारी हार का सामना करना पड़ा, जहां वे कांग्रेस उम्मीदवार रॉय के पॉलोस से 23,822 वोट से हार गए। एर्णाकुलम जिले के कलामस्सेरी में उद्योग मंत्री पी. राजीव को आईयूएमएल नेता वी. ई. अब्दुल गफूर से 16,312 वोट से हार का सामना करना पड़ा।

भाकपा नेता और मंत्री जे. चिंचूरानी चदयामंगलम में कांग्रेस उम्मीदवार एम. एम. नसीर से 7,400 से अधिक वोट से हार गईं। कांग्रेस (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता और मंत्री कदन्नप्पल्ली रामचंद्रन को कांग्रेस उम्मीदवार टी. ओ. मोहनन ने 18,530 से अधिक वोट से हराया। मंत्री ओ. आर. केलू वायनाड के मनंथावडी में कांग्रेस उम्मीदवार उषा विजयन से 10,543 वोट से हार गए।

वी. डी. सतीशन एक चतुर रणनीतिकार, जिन्होंने कांग्रेस-यूडीएफ के पुनरुत्थान को दिशा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने एक उल्लेखनीय वादा किया था कि अगर कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) निर्णायक जीत हासिल नहीं करता, तो वह 'राजनीतिक वनवास' ले लेंगे।

यह एक ऐसा साहसिक बयान था, जब चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने गठबंधन की संभावनाओं को लेकर दृढ़ भरोसा जताया था। अब, जब संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा जीत गया है, तो यह वादा किसी जोखिम से कम और उनके उस भरोसे का संकेत ज्यादा लगता है कि परिस्थितियां पहले ही उनके पक्ष में बदल चुकी थीं। केरल में कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए इस जीत की जड़ें 2021 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद के कठिन महीनों से जुड़ी हैं, जब राहुल गांधी ने सतीशन को विपक्ष का नेता बनाया था।

उस समय जो फैसला जोखिम भरा और अनिश्चित लग रहा था, अब पार्टी के भीतर उसे एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। सतीशन के अविचल, जमीनी स्तर के काम और स्थानीय मुद्दों पर लगातार ध्यान देने से संगठन और मतदाताओं का भरोसा फिर से मजबूत हुआ।

यूडीएफ की बेहतर जीत तो हुई ही, सतीशन ने एर्नाकुलम जिले की परवूर सीट बरकरार रखी, और पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसे अचानक आई लहर के बजाय एक शांत और सोच-समझकर की गई वापसी का परिणाम बताया। छात्र आंदोलन से उभरकर केरल की सबसे मुखर विपक्षी आवाज़ों में से एक बने वीडी सतीशन ने खुद को एक रणनीतिक तौर पर कुशल नेता के रूप में स्थापित किया है, जो कानूनी समझ और राजनीतिक चतुराई का संयोजन करते हुए हाल के वर्षों में कांग्रेस-नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को फिर से मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं।

एर्नाकुलम जिले के नेडूर निवासी सतीशन की राजनीति में शुरुआती पकड़ एस. एच. कॉलेज, थेवरा में छात्र राजनीति में सक्रियता के जरिये बनी और बाद में उन्होंने महात्मा गांधी विश्वविद्यालय में छात्र नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। राष्ट्रीय छात्र संगठन में एक पदाधिकारी के रूप में उनके कार्यकाल ने कांग्रेस के संगठन में उनकी पहुंच और पहचान को और बढ़ाया।

उच्च न्यायालय में वकालत करने वाले सतीशन का चुनावी सफर 1990 के दशक के मध्य में परवूर विधानसभा क्षेत्र से एक हार के साथ शुरू हुआ, लेकिन उन्होंने इस असफलता को जल्द ही एक नये अवसर में बदल दिया। अपने अगले प्रयास में उन्होंने शानदार जीत हासिल की और इसके बाद लगातार इस सीट को बरकरार रखते हुए दो दशकों से अधिक समय में मजबूत जमीनी पकड़ बनाई। पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण के एक निष्ठावान समर्थक रहे सतीशन ने परवूर से 2006, 2011, 2016 और 2021 में लगातार जीत दर्ज की। इस प्रकार विधानसभा की राजनीति में उनका 25 वर्षों से अधिक का सफर तय हुआ है। उन्होंने वर्ष 2021 के चुनाव में 21,301 मतों के अंतर से जीत हासिल की, जो उनकी लगातार चुनावी पकड़ को दर्शाता है। पार्टी के भीतर उन्होंने संगठनात्मक भूमिकाएं भी निभाई हैं, जिनमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जैसे पद शामिल हैं। अपने व्यवस्थित कार्यशैली के लिये चर्चित सतीशन ने किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखने से पहले उसे गहराई से समझने की आदत के कारण अपनी अलग पहचान बनाई। यह तरीका तथा विधानसभा में उनके त्वरित और प्रभावी हस्तक्षेप उन्हें कांग्रेस के भीतर मजबूत स्थिति बनाने में मददगार साबित हुए, भले ही लंबे समय तक उन्हें कार्यकारी पद नहीं मिल पाया।

सामुदायिक और धार्मिक संगठनों के साथ कार्य संबंध बनाए रखते हुए भी 61-वर्षीय नेता ने आमतौर पर तुष्टीकरण के खुले प्रदर्शन से दूरी बनाए रखी है।

एलडीएफ की करारी हार के बाद पिनरायी विजयन ने केरल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में एलडीएफ की करारी हार के बाद पिनरायी विजयन ने सोमवार को केरल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे उनका एक दशक लंबा कार्यकाल समाप्त हो गया।

राजभवन के एक बयान के अनुसार, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और विजयन से अनुरोध किया है कि वैकल्पिक व्यवस्था होने तक वह कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहें।

पिछले 10 वर्षों में लगातार दो कार्यकाल तक राज्य का नेतृत्व करने वाले विजयन ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) की शानदार जीत के बाद अपना इस्तीफा सौंप दिया। यूडीएफ ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 140 सदस्यीय विधानसभा में यूडीएफ ने 102 सीट जीती हैं, जबकि माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने 35 सीट जीती हैं। भाजपा ने राज्य में तीन सीट जीतकर एक बड़ी सफलता हासिल की और विधानसभा में अपना खाता खोला।

केरल से ही वामपंथी सत्ता का सूर्योदय हुआ था, वहीं से सूर्यास्त हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की हार से न सिर्फ इस प्रदेश से वामपंथी सरकार की विदाई हो गयी, बल्कि पांच दशक बाद पहली बार ऐसी स्थिति बनी जब देश के किसी राज्य में वाम दलों की सरकार नहीं है।

जिस केरल से वाम दलों ने पहली बार 1957 में सत्ता का सूर्योदय देखा था, आज वहीं से उनका सूर्यास्त हो गया। वर्ष 1957 में देश में गैर-कांग्रेसवाद को उस वक्त हवा मिली जब ईएमएस नंबूदिरीपाद की अगुवाई में पहली बार केरल में वामपंथी सरकार बनी। इसके बाद कम्युनिस्ट पार्टियों ने धीरे-धीरे देश के अलग-अलग हिस्सों में अपने पैर पसारे और पश्चिम बंगाल में तो 1977 से लगातार 34 वर्षों तक मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में रही, जहां आज वह एक विधानसभा सीट जीतने के लिए संघर्ष कर रही है।

वर्ष 1977 के बाद पहली बार ऐसा होगा कि जब देश के किसी राज्य में वाम दलों की सरकार नहीं है। वर्ष 2016 से एलडीएफ द्वारा शासित केरल, आखिरी राज्य था जहां वाम दलों की सत्ता थी। इससे पहले पश्चिम बंगाल में 2011 और त्रिपुरा में 2018 में सत्ता से उसकी विदाई हुई। दशकों से केरल वामपंथी राजनीति के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हुआ, जहां मुख्य रूप से दो मोर्चों एलडीएफ और यूडीएफ के बीच सत्ता बदलती रही है। इस प्रदेश में सत्ता से बाहर रहने के दौरान भी वामपंथियों ने एक मजबूत कैडर नेटवर्क और लगातार चुनावी उपस्थिति बरकरार रखी।

राष्ट्रीय स्तर पर वामपंथ एक समय कहीं अधिक प्रभावशाली स्थिति में था। स्वतंत्रता के बाद के वर्षों में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) संसद में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी, जो इसकी प्रारंभिक संगठनात्मक ताकत और श्रमिकों और किसानों के बीच अपील को दर्शाती है।

वर्ष 1990 और 2000 के दशक के दौरान, वामपंथी दल लोकसभा में एक महत्वपूर्ण समूह बने रहे, जो अक्सर गठबंधन राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। वामपंथी दलों की 1990 के दशक में लोकसभा में संयुक्त ताकत आम तौर पर 40 से 50 सदस्यों के बीच थी, जिससे उन्हें राष्ट्रीय परिदृश्य में एक अहम भूमिका मिलती थी। उनका प्रभाव 2004 में चरम पर था, जब उन्होंने 61 सीटें जीती थीं और कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार को बाहर से समर्थन दिया एवं नीतिगत निर्णयों, विशेषकर कल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक मुद्दों पर काफी प्रभाव डाला। वर्ष 1996 में संयुक्त मोर्चा सरकार बनने पर माकपा से प्रधानमंत्री बनने की स्थिति पैदा हुई थी।

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने रिकॉर्ड मतों के अंतर से उपचुनाव में जीत हासिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की अध्यक्ष सुनेत्रा पवार ने बारामती विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सोमवार को 2,18,034 मतों के अंतर से जीत हासिल की।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, उन्होंने 2,18,969 वोट हासिल किए। सुनेत्रा के पति और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के कारण यह उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी थी।

राकांपा ने दावा किया कि सुनेत्रा पवार ने विधानसभा चुनावों में जीत के सबसे बड़े अंतर का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है और उन्होंने भाजपा के सुनील कुमार शर्मा के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

शर्मा ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में साहिबाबाद सीट पर 2.14 लाख मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। बारामती में अन्य 22 उम्मीदवारों को कुल 4,837 वोट प्राप्त हुए।

बारामती से विधायक अजित पवार की 28 जनवरी को एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो जाने के बाद 23 अप्रैल को यह उपचुनाव कराया गया था। सुनेत्रा पवार की जीत का अंतर उनके दिवंगत पति की जीत के अंतर से भी अधिक है, जिन्होंने 2019 में भाजपा के गोपीचंद पाडलकर को 1,65,265 मतों से हराया था। 2024 के चुनावों में, अजित पवार की जीत का अंतर घटकर करीब 1 लाख वोट रह गया था।

सुनेत्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, शानदार जनादेश के लिए बारामती की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''बारामती विधानसभा उपचुनाव में मुझे शानदार जनादेश देने के लिए मैं बारामती की जनता को तहे दिल से धन्यवाद देती हूं। आपने जो विश्वास, प्रेम और समर्थन दिखाया है, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।''

केरल का खोया हुआ गौरव बहाल करेंगे: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल में पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन यूडीएफ की जीत पर सोमवार को राज्य की जनता का आभार जताया और कहा कि नई सरकार प्रदेश के खोए हुए गौरव को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केरल विधानसभा चुनाव में सोमवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ प्रचंड जीत की ओर अग्रसर है और वह करीब 100 सीटों पर आगे चल रहा है अथवा जीत चुका है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सही मायनों में कल्याण और वास्तविक आर्थिक सशक्तीकरण अब केरल में शुरू होता है। कांग्रेस की ओर से, मैं कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ पर भरोसा रखने के लिए केरल के प्रत्येक मतदाता का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मैं प्रत्येक नेता, कार्यकर्ता और हमारे यूडीएफ सहयोगियों को भी धन्यवाद देता हूं जिनकी अथक मेहनत और समर्पण ने लोगों का जनादेश हासिल किया है।'' उनका कहना था, ''हम केरल और यूडीएफ के जन-केंद्रित शासन मॉडल की मदद से खोए हुए गौरव को बहाल करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं।''

केरल में यूडीएफ की जीत के बाद चेन्निथला का लंबा इंतजार निर्णायक मोड़ पर पहुंचा

अलप्पुझा (केरल)/भाषा। केरल विधानसभा चुनावों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत केवल राजनीतिक सफलता ही नहीं, बल्कि समय और परिस्थितियों का भी परिणाम है, और यह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है। युवा कांग्रेस के दिनों में चेन्निथला उस पीढ़ी का हिस्सा थे, जिसने मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री भी दिए, और साथ ही उन्होंने उन युवा नेताओं का मार्गदर्शन भी किया, जो आगे चलकर उच्च पदों तक पहुंचे।

युवा कांग्रेस में उनके समकालीनों में से कई, जैसे ममता बनर्जी, साथ ही वे जिन्होंने कभी उनके अधीन काम किया था, जैसे अशोक चव्हाण, ने कम उम्र में ही महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर लीं, जबकि उनकी राजनीतिक प्रगति अपेक्षाकृत स्थिर रही और कई बार थोड़ी देर से आगे बढ़ी। अब, कांग्रेस नीत यूडीएफ की सत्ता में वापसी और अपनी प्रभावशाली जीत के साथ चेन्निथला एक बार फिर बड़ी भूमिका के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने हरीपाद सीट पर भारी अंतर से जीत दर्ज की है। पार्टी के भीतर, परिवर्तन के इस दौर में उनके अनुभव और संगठनात्मक क्षमता पर विचार किया जा रहा है। समर्थकों के लिए, यह एक बहुप्रतीक्षित अवसर जैसा प्रतीत होता है; दूसरों के लिए, यह एक प्रश्न बना हुआ है कि क्या उनका समय आखिरकार आ गया है या फिर वह एक बार फिर हाथ से फिसल जाएगा। कई लोगों को उस समय आश्चर्य हुआ जब युवा चेन्निथला को हरीपाद से अपना पहला विधानसभा चुनाव जीतने के महज चार साल बाद, 1986 में कांग्रेस के कद्दावर नेता के. करुणाकरण ने मंत्री बनाया। केरल के सबसे युवा मंत्री बनने से लेकर राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस के सबसे स्थायी चेहरों में से एक के रूप में उभरने तक, चेन्निथला चार दशकों से अधिक समय से सार्वजनिक जीवन में एक प्रमुख व्यक्ति बने हुए हैं। इस विधानसभा चुनाव में उन्होंने 12वीं बार चुनाव लड़ा, और हरीपाद एक बार फिर उनका गढ़ साबित हुआ, जहां उन्होंने मजबूत रिकॉर्ड बनाया है। वह हरीपाद से पांच बार विधानसभा चुनावों में उतरे और सभी में जीत हासिल की।

महाराष्ट्र : राहुरी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के अक्षय करदिले की जीत

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को महाराष्ट्र की राहुरी विधानसभा सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा।

पार्टी उम्मीदवार अक्षय करदिले ने राहुरी उपचुनाव में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-शप) प्रत्याशी गोविंद मोकाटे को 1.12 लाख से अधिक मतों के अंतर से हरा दिया।

अहिल्यानगर जिले की राहुरी सीट पर उपचुनाव अक्षय करदिले के पिता एवं विधायक शिवाजीराव करदिले के निधन के कारण आवश्यक हो गया था। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, उपचुनाव में अक्षय करदिले को 1,40,093 वोट मिले, जबकि मोकाटे को 27,506 मत हासिल हुए।

भाजपा के हर्षद परमार ने गुजरात के उमरेठ विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की

आणंद (गुजरात)/भाषा। गुजरात के उमरेठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव में प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हर्षद परमार ने सोमवार को अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं कांग्रेस उम्मीदवार भृगुराजसिंह चौहान को 30,000 से अधिक मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, परमार ने 85,500 वोट हासिल किए, जबकि चौहान को 54,757 वोट मिले। यह उपचुनाव 23 अप्रैल को हुआ था। इस सीट से तत्कालीन भाजपा विधायक गोविंद परमार का छह मार्च को हृदयाघात के कारण निधन हो गया था, जिसके बाद यह चुनाव आवश्यक हो गया था।

भाजपा ने परमार के बेटे हर्षद परमार को मैदान में उतारा, और यह उनका पहला बड़ा चुनाव है। कांग्रेस के प्रत्याशी चौहान ने 2000 से 2015 तक लगातार तीन कार्यकाल तक उमरेठ तालुका पंचायत के अध्यक्ष के रूप में सेवा दी। परमार ने अपनी जीत को अपने दिवंगत पिता को समर्पित किया और अत्यधिक गर्मी में मतदान करने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का धन्यवाद किया। परमार ने पत्रकारों से कहा, ''आज का यह अंतर उपचुनाव के लिए ऐतिहासिक है। मेरे दिवंगत पिता द्वारा इस क्षेत्र में किए गए कामों के कारण, लोगों ने पहले दिन से ही तय कर लिया था कि वे केवल मेरे लिए ही मतदान करेंगे। उनके आशीर्वाद से मैं आज इतनी बड़ी जीत हासिल कर पाया।''

बढ़ते तेजाब हमले चिंता का विषय; सजा बढ़ाने पर विचार करे केंद्र: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने 'बर्बर' तेजाब हमलों के मामलों में चिंताजनक वृद्धि को देखते हुए सोमवार को केंद्र से ऐसे अपराधों के लिए सजा बढ़ाने पर विचार करने और बेगुनाही साबित करने का भार आरोपी पर डालने का सुझाव दिया।

आपराधिक न्यायशास्त्र के तहत, जब तक कानून में अन्य प्रावधान नहीं हों, आरोपी के खिलाफ दोष साबित करने का भार अभियोजन पक्ष पर होता है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि

उपयुक्त संशोधन होने तक, जिन लोगों को जबरन तेजाब पिलाया गया हो या जिन्हें बाहरी विकृति के बिना आंतरिक चोटें आई हों, वे दिव्यांग व्यक्तियों का अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत तेजाब हमलों के पीड़ितों के दायरे में आएंगे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह स्पष्टीकरण 2016 के अधिनियम के लागू होने के समय से ही शामिल माना जाएगा। पीठ ने कहा, ''यदि संबंधित मंत्रालय औपचारिक रूप से इस संशोधन को अधिसूचित करता है तो इसका स्वागत किया जाएगा।'' न्यायालय ने यह आदेश तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए पारित किया। शाहीन ने अनुरोध किया था कि ऐसे पीड़ितों को दिव्यांग व्यक्तियों की श्रेणी में रखा जाए ताकि उन्हें कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। प्रधान न्यायाधीश ने सोमवार को सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि तेजाब हमलों के लिए निर्धारित सजा प्रभावी साबित नहीं हो रही है। उन्होंने कहा, मामलों की संख्या बढ़ गई है।

भारत, कनाडा ने एफटीए पर वार्ता के दूसरे दौर की शुरुआत की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का दूसरा दौर सोमवार को शुरू किया। अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते को आधिकारिक रूप से व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है।

इस वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं तथा अन्य पारस्परिक रूप से सहमत नीतिगत क्षेत्रों में व्यापार पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी ने कहा, '' पांच दिवसीय वार्ता चार मई से यहां शुरू हुई।'' वार्ता का पहला दौर मार्च में आयोजित किया गया था। यह दौर महत्वपूर्ण है क्योंकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस माह के अंत तक वार्ता को गति देने के लिए कनाडा की यात्रा करेंगे।

यह वार्ता प्रक्रिया फिर से शुरू होने का संकेत भी है क्योंकि कनाडा ने 2023 में वार्ता को रोक दिया था। हालांकि अब दोनों ने पिछले दो वर्ष में वैश्विक व्यापार परिदृश्य में आए बदलावों को देखते हुए बातचीत को नए सिरे से शुरू करने का निर्णय लिया है।

तमिलनाडु में इतिहास रचने की राह पर विजय

केरल में यूडीएफ की वापसी, पुडुचेरी में राजग की पकड़ बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। हाल के वर्षों के सबसे बड़े चुनावी उलटफेरों में से एक में प्रसिद्ध तमिल अभिनेता विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी तमिलनाडु में अपनी पहली चुनावी जीत की ओर निर्णायक रूप से बढ़ती दिखी और अब परिणामों के अनुसार राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

तमिलनाडु के जिलों के बीच स्थित होने के बावजूद पड़ोसी पुडुचेरी 'टीवीके की लहर' से काफी हद तक अप्रभावित रहा और केंद्र शासित प्रदेश में एक बार फिर एन. रंगास्वामी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में है।

केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों तथा तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए चुनावों के मतों की गिनती सोमवार को शुरू हुई थी, जिसके अब स्पष्ट परिणाम सामने आ चुके हैं।

अधिकतर एग्जिट पोल के विपरीत, जिन्होंने तमिलनाडु में सत्ताधारी द्रमुक की जीत की भविष्यवाणी की थी, नवोदित टीवीके ने 234 में से लगभग 107 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया है। हालांकि पार्टी पूर्ण बहुमत के आंकड़े 118 से कुछ सीट पीछे रह गई है और उसे सरकार गठन के लिए समर्थन जुटाना पड़ सकता है। विजय स्वयं अपनी दोनों सीटों पर जीत दर्ज कर चुके हैं।

द्रमुक, जो मतगणना के शुरुआती चरण में तीसरे स्थान तक खिसक गई थी, अंततः दूसरे स्थान पर रही, लेकिन पार्टी और उसके नेता एम. के. स्टालिन के लिए यह परिणाम बड़ा झटका माना जा रहा है। केरल में, विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा अब स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर चुका है। लगभग दस वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को इस बार हार का सामना करना पड़ा।

चेन्नई से लगभग 160 किलोमीटर दूर स्थित और तमिलनाडु के कुड्डालोर तथा विलुपुरम जिलों से घिरे छोटे से केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में, अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन लगातार दूसरी बार सरकार बनाने की स्थिति में है। गठबंधन ने बहुमत के करीब सीटें हासिल कर ली हैं और एन. रंगास्वामी ने अपनी सीट बरकरार रखी है।

इन परिणामों ने यह संकेत दिया है कि दक्षिण भारत की राजनीति में बदलाव की लहर है, जहां पारंपरिक दलों के साथ नए राजनीतिक विकल्प भी तेजी से उभर रहे हैं।

तमिलनाडु में टीवीके का उदय आने वाले समय में राज्य की राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

तमिलनाडु की जनता को विजय से बहुत उम्मीदें हैं : पिता चंद्रशेखर

चेन्नई। जानेमाने तमिल फिल्म निर्माता एस. ए. चंद्रशेखर ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अपने बेटे एवं तमिलागा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय के प्रदर्शन पर सोमवार को गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि अभिनेता से नेता बने विजय जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मतगणना के दौरान भावुक चंद्रशेखर ने कहा कि उन्हें अपने बेटे की राजनीतिक यात्रा पर बहुत खुशी और बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के लोग मेरे बेटे से बड़ी उम्मीदें रखते हैं। वह उन्हें पूरा करेगा। निश्चित रूप से, वह ऐसा करेगा। विजय के चुनावी वादों पर जनता की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर, चंद्रशेखर ने मतदाताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने दोहराया कि राज्य की जनता ने टीवीके नेता से बहुत उम्मीदें लगाई हैं। उन्होंने राज्य के भविष्य के लिए अपने बेटे की आकांक्षाओं को स्वीकार करते हुए कहा, ''तमिलनाडु के लिए उनके मन में बहुत सारे सपने हैं। उन्हें काम करने दीजिए।''

टीवीके नेता सेंगोट्टइयन ने गोबिचेट्टीपालयम विधानसभा सीट पर 10वीं बार जीत हासिल की

सेलम। तमिलागा वेत्री कषगम (टीवीके) के वरिष्ठ नेता केए सेंगोट्टइयन ने सोमवार को तमिलनाडु की गोबिचेट्टीपालयम विधानसभा सीट पर ऐतिहासिक रूप से 10वीं बार जीत हासिल की। क्षेत्र में पहली बार अभिनेता से नेता बने विजय की टीवीके के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले सेंगोट्टइयन (78) ने लगभग 71,380 वोट हासिल किए और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एन नल्लाशिवम को 13,000 से अधिक वोट के अंतर से हराया। यह गोबिचेट्टीपालयम विधानसभा सीट पर सेंगोट्टइयन की लगातार 10वीं जीत है, जो दिखाती है कि 2025 के अंत में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) से अलग होने के बावजूद क्षेत्र पर उनकी मजबूत पकड़ बरकरार है। समर्थकों ने इस जीत को सेंगोट्टइयन के व्यक्तिगत प्रभाव का प्रमाण माना, जो अन्नाद्रमकु से टीवीके में प्रवेश के बावजूद बरकरार रहा।

द्रमुक के कद्दावर नेता के एन नेहरू ने तिरुचि सीट बरकरार रखी

तिरुचिरापल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम के वरिष्ठ नेता और नगरपालिका प्रशासन मंत्री के एन नेहरू तिरुची पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित घोषित हुए हैं और उन्होंने लगातार तीसरी बार इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। निर्वाचन आयोग ने इसकी जानकारी दी। आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कड़ी टक्कर वाले इस चुनाव में नेहरू ने 88,235 वोट हासिल किए और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं टीवीके उम्मीदवार के जी राममूर्ति को 4,786 वोटों के अंतर से हराया। हालांकि शुरुआती रुझान में टीवीके के उम्मीदवार ने कुछ समय के लिए बढ़त बनाई थी, लेकिन जैसे-जैसे शहरी क्षेत्रों के वोटों की गिनती हुई, डीएमके के वरिष्ठ नेता ने बढ़त हासिल कर ली।

अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी ने रिकॉर्ड मतों के अंतर से जीत हासिल की

चेन्नई। अन्नाद्रमुक प्रमुख के. पलानीस्वामी ने सोमवार को जिले की एडप्पाडी विधानसभा सीट पर रिकॉर्ड 98,110 मतों के अंतर से जीत हासिल की। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, निर्दलीय उम्मीदवार प्रेमकुमार के. को हराया। पलानीस्वामी को 1,48,933 वोट मिले। तमिलनाडु में, 1989 के विधानसभा चुनावों के बाद से सेलम जिले की इस सीट पर पलानीस्वामी की यह छठी बड़ी जीत है। उन्होंने द्रमुक उम्मीदवार कासी सी. को करारी शिकस्त दी, जिन्हें 44,011 वोट मिले। पलानीस्वामी अन्नाद्रमुक के उन 22 उम्मीदवारों में शामिल हैं जिन्हें निर्वाचन आयोग ने विजेता घोषित किया है। पार्टी 26 अन्य सीटों पर बढ़त बनाये हुए है और मतगणना जारी है। विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को हुए थे।

द्रमुक मंत्री गोवी चेझियान ने थिरूविडाइमारूदुर सीट से जीत हासिल की

चेन्नई। तमिलनाडु उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेझियान ने सोमवार को 14,116 मतों के अंतर से थिरूविडाइमारूदूर सीट पर जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, चेझियान ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और टीवीके उम्मीदवार एस. प्रभाकरन के मुकाबले 79,951 वोट हासिल किए, जबकि प्रभाकरन को 65,835 वोट मिले। द्रमुक सरकार के तहत मंत्रिमंडल में फेरबदल के हिस्से के रूप में, वर्ष 2024 में चेझियान ने उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने तमिलनाडु विधानसभा में मुख्य सरकारी सचेतक के रूप में भी कार्य किया। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को हुए थे।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी सीट से जीते

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी विधानसभा सीट से 7,140 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। मतगणना के शुरुआती दौर में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन, तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के उम्मीदवार सेल्वम डी से पीछे चल रहे थे। उदयनिधि की इस जीत से ऐतिहासिक विधानसभा सीट पर द्रमुक की पकड़ और मजबूत हो गई है, जिसका प्रतिनिधित्व पहले उनके दादा और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि कर चुके हैं। उदयनिधि की जीत की आधिकारिक घोषणा के बाद उनके समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया। इसे उनके व्यापक जमीनी चुनाव अभियान की पुष्टि के रूप में देखा गया। राज्य में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को आयोजित किए गए थे।

भाजपा के नमस्सिवायम ने मन्नादिपेट सीट बरकरार रखी, शिवकोलुंधु, रविकुमार भी जीते

पुडुचेरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ए. नमस्सिवायम ने सोमवार को कांग्रेस से अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार टी पी आर सेल्वम को हराकर मन्नादिपेट विधानसभा सीट बरकरार रखी। सेल्वम कुछ महीने पहले ही कांग्रेस में शामिल हुए थे। पुडुचेरी विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष वी पी शिवकोलुंधु ने लॉस्पेट विधानसभा सीट से जीत हासिल की और कांग्रेस उम्मीदवार एवं मौजूदा विधायक एम वैथियानाथन को हराया। पुडुचेरी के पूर्व पर्यटन मंत्री मल्लाडी कृष्णा राव ने यानम में कांग्रेस उम्मीदवार गोल्लापल्ली श्रीनिवास अशोक को हरा दिया। विलियानूर विधानसभा क्षेत्र में एआईएनआरसी के बी. रविकुमार ने पुडुचेरी प्रदेश द्रमुक सचिव आर शिव को 1,970 वोट के अंतर से हराया। शिव सीट बरकरार रखने के लिए चुनाव मैदान में उतरे थे, लेकिन एआईएनआरसी उम्मीदवार ने उन्हें हरा दिया। अन्नाद्रमुक की पुडुचेरी इकाई के सचिव ए अनबलगन ने द्रमुक से उप्पलम सीट छीन ली।

विजय के ड्राइवर के बेटे सबरीनाथन विरुगमपक्कम में 16 राउंड के बाद आगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता से नेता बने विजय के लंबे समय तक चालक रहे एवं निजी सहायक राजेंद्रन के 30-वर्षीय पुत्र आर. सबरीनाथन चेन्नई के विरुगमपक्कम विधानसभा सीट से बढ़त बनाए हुए हैं।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, तमिलगा वेत्री कषगम के टिकट पर चुनाव लड़ रहे सबरीनाथन ने कुल 23 में से 16वें राउंड की मतगणना के अंत तक 18,689 मतों की बढ़त बना ली है।

राजेंद्रन, विजय के साथ उनकी पहली फिल्म 'नालैया थीरपु' के समय से ही जुड़े हैं और तब से उनके चालक एवं निजी सहायक के रूप में काम कर रहे हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सबरीनाथन उस वक्त सबसे चर्चित उम्मीदवारों में से एक बनकर उभरे, जब मंच पर भावुक होकर रोने का उनका वीडियो वायरल हो गया। यह घटना तब हुई जब टीवीके की उम्मीदवारों की सूची में उनका नाम सामने आया था। चेन्नई जिले में स्थित विरुगमपक्कम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पिछले पांच विधानसभा चुनावों में तीन अलग-अलग दलों ने किया है।

महिलाओं को 8 ग्राम सोना देने के टीवीके के वादे पर लोगों की रहेंगी नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नए दल के रूप में चुनाव मैदान में उतरी टीवीके के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने और सरकार बनाने की संभावना के बीच अब अभिनेता से नेता बने विजय के चुनावी वादों पर लोगों की नजर है। इनमें विवाह के लिए 8 ग्राम सोना देने का वादा भी शामिल है, जिसकी कीमत लगभग 1,40,000 रुपये (22 कैरेट) बताई गई है। पार्टी के घोषणापत्र में विजय ने 60 वर्ष से कम आयु की महिलाओं के लिए प्रति माह 2,500 रुपये की सहायता, विवाह के लिए आठ ग्राम सोना और हर परिवार को साल में छह मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का आश्वासन दिया है। दोपहर तीन बजे तक निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, विजय की पार्टी 105 विधानसभा क्षेत्रों में आगे चल रही है, जो कि सदन में साधारण बहुमत (118) से कुछ ही कम है।

विजय ने गरीब दुल्हनों के लिए सोने के साथ अच्छी गुणवत्ता की रेशमी साड़ी देने और महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों के लिए पांच लाख रुपये तक के ब्याज-मुक्त ऋण का भी वादा किया है। उन्होंने सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार-मुक्त और सुशासन देने का आश्वासन दिया है। घोषणापत्र में शिक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया है। स्कूल छोड़ने की समस्या को रोकने के लिए सरकारी और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की माताओं या अभिभावकों को वार्षिक 15,000 रुपये देने का वादा किया गया है।

विजय ने राज्य में शिक्षा में क्रांति लाने का श्रेय पाने वाले प्रसिद्ध नेता के. कामराज के नाम पर 100 विशेष आवासीय स्कूल स्थापित करने और उच्च शिक्षा के लिए 20 लाख रुपये तक का ऋण देने का वादा किया है। टीवीके के संस्थापक ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंत्रालय, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वविद्यालय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता नगर स्थापित करने की भी घोषणा की है। घोषणापत्र में कृषि क्षेत्र के कल्याण पर भी विशेष जोर दिया गया है।

पार्टी ने वादा किया है कि पांच एकड़ से कम भूमि रखने वाले किसानों के कृषि सहकारी फसल ऋण पूरी तरह माफ किए जाएंगे, जबकि इससे अधिक भूमि वाले किसानों को 50 प्रतिशत ऋण की माफी दी जाएगी। इसके अलावा, धान के लिए 3,500 रुपये प्रति क्विंटल और गन्ने के लिए 4,500 रुपये प्रति टन का न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का भी आश्वासन दिया गया है। युवा बेरोजगारी को लेकर विजय ने पांच लाख नए सरकारी रोजगार सृजित करने और उतनी ही संख्या में भत्तायुक्त प्रशिक्षण अवसर देने का वादा किया है। बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह 4,000 रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी।

सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना पर विचार करने और नर्सों सहित अनुबंध कर्मियों को नियमित करने का आश्वासन दिया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में उन्होंने नशामुक्त तमिलनाडु का संकल्प लिया है। विजय ने अस्पतालों के आधुनिकीकरण, हर वर्ष निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और 25 लाख रुपये तक की पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने का भी वादा किया है। घोषणापत्र में बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए प्रति माह 3,000 रुपये की पेंशन, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, भूमि स्वामित्व दस्तावेजों का नियमितीकरण और सभी घरों को 100 प्रतिशत पाइप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने जैसे प्रावधान भी शामिल हैं।

हम पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगे : टीवीके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के राष्ट्रीय प्रवक्ता फेलिक्स गेराल्ड ने सोमवार को विश्वास जताया कि पार्टी तमिलनाडु में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी, क्योंकि चुनाव के अब तक प्राप्त रुझानों में पार्टी को ''भारी समर्थन'' मिलता दिख रहा है। गेराल्ड ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा कि परिणाम अपेक्षित थे। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की जनता ने टीवीके को इसलिए चुना है, क्योंकि वे मौजूदा दलों से तंग आ चुके हैं।

उन्होंने कहा, बेशक उनके (मौजूदा दल) पास 50 या 75 साल का अनुभव है लेकिन इस अनुभव से उन्होंने सिर्फ राज्य को लूटने का काम किया। उन्होंने कहा कि मतदाता टीवीके पर भरोसा करते हैं और उसे एक विकल्प के रूप में देखते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी नेता विजय की सीमित मीडिया उपस्थिति के बारे में पूछे जाने पर गेराल्ड ने कहा कि नेता मीडिया के माध्यम से बात करने के बजाय ''सीधे जनता से बात करना'' पसंद करते हैं। उन्होंने उन आलोचनाओं और मीडिया की खबरों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि पार्टी के लिए एक भी सीट जीतना मुश्किल होगी, और उन्होंने इतने अधिक मत प्रतिशत को जनसमर्थन का प्रमाण बताया। चुनाव प्रचार के दौरान टीवीके को कथित तौर पर कमतर आंकने के लिए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए प्रवक्ता ने कहा, वे आंखें बंद करके अंधेरे कमरे में दौड़ रहे थे। अब उन्हें अपनी दुनिया का पता चलेगा। रुझान शुरुआती होने के बावजूद गेराल्ड पार्टी की संभावनाओं को लेकर दृढ़ हैं और उन्होंने दावा किया कि टीवीके बिना किसी बाहरी समर्थन के सरकार बनाएगी।

जैसे ही पार्टी ने 101 सीट पर बढ़त बनाई, पनय्यूर स्थित टीवीके मुख्यालय पर जश्न का माहौल शुरू हो गया। समर्थक पार्टी नेता विजय की तस्वीरें लेकर उमड़ पड़े। एक कार्यकर्ता तांगराज ने कहा, ''वह मेरे दिल में बसते हैं, इसलिए हमने उनकी तस्वीर अपने सीने पर लगा रखी है।'' समर्थकों ने कहा कि उनका चुनाव प्रचार धन के बल पर नहीं, बल्कि जमीनी मेहनत पर टिका था। तांगराज ने कहा, ''हमने बिना धन के काम किया। दूसरे दलों में लोग धन लेकर काम करते हैं, लेकिन हमने बिना किसी लालच के काम किया।'' पार्टी को अपने दम पर बहुमत मिलने का पूरा भरोसा है। उन्होंने दावा किया, ''हम जरूर जीतेंगे और अपने बहुमत से मुख्यमंत्री बनाएंगे।'' पल्लवरम निर्वाचन क्षेत्र से आए कस्पर राजा ने भी यही उत्साह दिखाया। उन्होंने कहा कि पार्टी को भरोसा है कि वह 130 सीट का आंकड़ हासिल कर लेगी और अपने बल पर बहुमत हासिल करेगी। उन्होंने कहा, ''अगर पार्टी सत्ता में आई तो यह जनता की सरकार होगी। हमें पूरा यकीन है कि वह जनता के लिए अच्छा काम करेंगे।''

टीवीके के एक प्रतिनिधि ने राजनीतिक विरोधियों की आलोचनाओं को सिरे से खारिज करते हुए इन रुझानों को बदलाव का जनादेश बताया। इस बीच, बहुमत के आंकड़े से टीवीके के कुछ पीछे दिखने पर सोशल मीडिया पर कांग्रेस जैसे दलों के संभावित समर्थन की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

फिलहाल कांग्रेस पांच सीट पर, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) दो सीट पर और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एक सीट पर आगे है। ये तीनों दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सहयोगी हैं और उसके नेतृत्व वाले 'सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस' (एसपीए) का हिस्सा हैं। हालांकि, द्रमुक की सहयोगी होने के बावजूद कांग्रेस नेतृत्व का एक तबका टीवीके के साथ गठबंधन के पक्ष में था। अंतिम क्षण में पार्टी आलाकमान ने द्रमुक के साथ ही बने रहने का फैसला किया।

इसी पृष्ठभूमि में, सोशल मीडिया पर दावे किए जा रहे हैं कि अगर टीवीके बहुमत पाने में नाकाम रही, तो कांग्रेस, आईयूएमएल (एक सीट पर आगे), डीएमडीके (दो सीट पर आगे) और वामदल उसे सरकार बनाने में समर्थन दे सकते हैं। हालांकि अभी यह सब अटकलों से अधिक कुछ नहीं है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि डॉ. अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पीएमके भी समर्थन का हाथ बढ़ा सकती है जो पांच सीट पर आगे है। निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, विजय की टीवीके 105 सीट पर आगे है, जबकि अन्नाद्रमुक 63 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। मतगणना सोमवार सुबह आठ बजे शुरू हुई।

विजय के दोस्तों, प्रशंसकों और कार्यकर्ताओं ने कहा- केवल भाग्य से नहीं मिली टीवीके को सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की मतगणना के रुझानों में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के शानदार प्रदर्शन के बाद दशकों से उन पर नजर रखने वाले लोगों ने कहा कि यह भले ही भाग्य के कारण मिली सफलता दिखे, लेकिन आज विजय ने जो हासिल किया है, वह लंबे समय तक धैर्य और निरंतर प्रयासों के बिना संभव नहीं था। सोमवार को जैसे-जैसे दिन चढ़ा, टीवीके ने अनुभवी राजनीतिक विश्लेषकों को चौंकाते हुए स्पष्ट कर दिया कि जनता ने विजय पर भरोसा जताया है।

राज्य की 234 विधानसभा सीट में से 100 सीट पर टीवीके की बढ़त और नौ पर जीत के बाद शाम में यह साफ हो गया कि पार्टी का यह पहला चुनाव तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य को बदलने वाला साबित हुआ है और लंबे समय से द्रमुक और अन्नाद्रमुक की दो ध्रुवीय सियासत के लिए खतरे की घंटी बन गया है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ था। फिल्म समीक्षक लता श्रीनिवासन ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, जब विजय सिनेमा में आए थे, तब काफी 'बॉडी शेमिंग' यानी शारीरिक बनावट को लेकर आलोचना होती थी। क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं कि वह हैंडसम नहीं दिखते थे। आप जानते हैं, वह दुबले-पतले थे, थोड़े सांवले थे, उनका रंगरूप भी बहुत अच्छा नहीं माना जाता था। और जब उनके पिता ने उन्हें एक हीरो के रूप में पेश किया, तो जाहिर तौर पर बहुत से लोगों ने सोचा कि यह कैसे हीरो बन सकता है? यह स्टार कैसे बनेगा? लेकिन विजय ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार प्रयास किया।

अभिनेता जीवा रवि ने बताया कि अपने करियर के शुरुआती दिनों में विजय हर हाल में आगे बढ़ते रहे और अगर एक फिल्म असफल होती, तो वह उसका विश्लेषण करते और अगली फिल्म में अपनी गलतियों को सुधारते रहते। रवि ने कहा, उन्होंने कभी निर्देशकों को नहीं छोड़ा। उन्हें और मौके दिए। फिर 'थुप्पाक्की' और 'कत्थी' जैसी फिल्म आईं। उनका ग्राफ लगातार ऊपर जाता रहा। राजनीति में आने के बाद जब भी उन्होंने लोगों से बात की, लगभग हर बार विजय ने यह कहकर अपनी बात खत्म की, मैं आपके भरोसे आया हूं।

विजय को अक्सर जिस आलोचना का सामना करना पड़ा, वह यह थी कि उन्होंने शुरू से ही खुद को मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया। कई लोगों का मानना था कि वह 'लालची' हैं। हालांकि, अभिनेता रवि ने जोर देकर कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने से पहले उन्होंने कई चरण पार किए हैं।

रवि ने कहा, सामाजिक रूप से वह एक जिम्मेदार व्यक्ति बने-ऐसा व्यक्ति जो लोगों के बारे में सोचता है। धीरे-धीरे वह जन आंदोलन के नेता बने, फिर एक कल्याणकारी संगठन के नेता और आखिरकार एक राजनीतिक दल के नेता बने। श्रीनिवासन ने कहा कि जैसे-जैसे विजय की लोकप्रियता बढ़ी, उनकी फिल्मों में राजनीतिक संदेशों को नजरअंदाज करना मुश्किल होता गया। उन्होंने पीटीआई वीडियो से कहा, जब वह बेहद लोकप्रिय हो गए और फिर अपनी फिल्मों में राजनीतिक संवाद बोलने लगे... तभी उन्हें नेताओं से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं उनके संवादों और थलाइवा' जैसी फिल्मों के शीर्षकों के जरिए सामने आने लगी थीं। टीवीके नेता और प्रवक्ता सी. टी. निर्मल कुमार के अनुसार, मजबूत सामाजिक संदेशों वाली विजय की फिल्मों ने टीवीके के लिए रास्ता तैयार किया।

तमिलनाडु का जनादेश युवाओं की आवाज को दर्शाता है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु का जनादेश युवाओं की उस आवाज को दर्शाता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने टीवीके के नेता विजय को फोन पर बात करके उन्हें बधाई दी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों ममता बनर्जी तथा एमके स्टालिन से भी परिणाम को लेकर बात की।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैंने विजय से बात की और उन्हें टीवीके के शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। यह जनादेश युवाओं की उठती आवाज को दर्शाता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और न ही किया जाएगा।''

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु और पुडुचेरी के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत और समर्थन के लिए मेरा हार्दिक धन्यवाद। मैं दोहराता हूं कि कांग्रेस पार्टी तमिलनाडु और पुडुचेरी के लोगों का संरक्षण और सेवा करना जारी रखेगी।'' पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में स्टालिन की पार्टी द्रमुक को हार का सामना करना पड़ा है। ये दोनों दल इंडिया' गठबंधन के घटक हैं।

प्रदेश के विधानसभा क्षेत्रों में 'ग्राम रथ अभियान' का प्रथम सप्ताह

गांव-गांव पहुंच रही विकास की रौशनी और जागरूकता की लहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के किसानों को हर क्षेत्र में अग्रणी एवं उन्नत बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर सक्रिय प्रयास कर रही है। कृषि, निवेश, नवाचार और तकनीक के माध्यम से किसान समृद्धि का नया अध्याय लिखने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा आगामी 23 से 25 मई तक ग्राम (ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट) 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस महाआयोजन में प्रदेशभर से कृषक और पशुपालकों को देश और दुनिया के एग्रीकल्चर सैक्टर के नीति-निर्माता, रिसर्च स्कॉलर, उद्यमी, जन प्रतिनिधि और विषय विशेषज्ञों की मौजूदगी में आधुनिक कृषि की नई संभावनाओं से रूबरू होने के अवसर सुलभ होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा और पहल पर इसी सिलसिले में ग्राम-2026 में आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की उपयोगी जानकारी किसानों और ग्रामीणों तक पहुंचाने और उनकी अधिकाधिक भागीदारी के उद्देश्य से राज्य के 183 विधानसभा क्षेत्रों में गत 27 अप्रैल से 'ग्राम रथ अभियान' संचालित किया जा रहा है। इस 15 दिवसीय ग्राम रथ अभियान में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में रोजाना 5 से 6 स्थानों पर एलईडी मोबाइल वैन के माध्यम से योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी गांव-गांव तक किसानों एवं ग्रामीणों के अपूर्व उत्साह के बीच पहुंचाई जा रही है। ग्राम रथ अभियान केवल एक प्रचार कार्यक्रम नहीं बल्कि गांवों के समग्र विकास का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। यह अभियान राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें किसान, गांव और विकास- तीनों को केंद्र में रखकर एक सशक्त और आत्मनिर्भर राजस्थान के निर्माण की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

ग्राम रथ अभियान को लेकर प्रथम सप्ताह में ही ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। ग्रामीण महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में इसमें भाग ले रहे हैं और संध्या चौपाल में भी बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इस दौरान आयोजित कला जत्था कार्यक्रम लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं और इनके माध्यम से संदेशों को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यह अभियान केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं है बल्कि यह ग्रामीण समाज के साथ संवाद का एक सशक्त मंच बन गया है। ग्राम रथों के माध्यम से 13 विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध करवाई जा रही है। इनमें कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास विभाग शामिल हैं। इन रथों पर संबंधित विभागों की प्रचार सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को एक ही स्थान पर सभी योजनाओं की समग्र जानकारी मिल रही है। कृषि, किसान और गांव सशक्त होंगे, तभी भारत आत्मनिर्भर बनेगा, इसी सोच से प्रेरित होकर राज्य सरकार इस अभियान को आगे बढ़ा रही है। ग्राम रथ अभियान एक तरह से सरकार तक ग्रामीणों की समस्याओं और सुझावों के संकलन के लिए सेतु बन गया है। ग्राम रथों में की एक विशेष पहल सुझाव पेटिका है, जिसके माध्यम से ग्रामीण अपनी समस्याएं और सुझाव सीधे सरकार तक पहुंचा रहे हैं। राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। इस दौरान प्रशासन द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे लोगों का विश्वास और सहभागिता दोनों बढ़े हैं। अभियान में अब तक लाखों लोगों तक प्रचार सामग्री पहुंचाई जा चुकी है।

राजस्थान पुलिस के जवानों में वितरित किए जाएंगे ओआरएस के पांच लाख पैकेट

जयपुर। राजस्थान में तपती धूप और लू के तीखे थपेड़ों के बीच पुलिस के जवानों को 'ओआरएस' (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट) के पांच लाख पैकेट वितरित किए जाएंगे। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत सोमवार से की गई। इसके अनुसार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर राज्यभर के सभी कांस्टेबल को पांच लाख ओआरएस पैकेट वितरित किए जाएंगे ताकि ड्यूटी के दौरान 'डिहाइड्रेशन' और लू के प्रभाव से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इसके अनुसार इस अभियान की कमान उप महानिरीक्षक (डीआईजी)-प्रशिक्षण शरद चौधरी संभाल रहे हैं। यह राहत सामग्री राज्य के 12 पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों तथा राजस्थान से बाहर संचालित चार प्रशिक्षण केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक के माध्यम से हर कांस्टेबल तक इसकी प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

योजना के तहत प्रत्येक जवान को 10-10 ओआरएस पैकेट दिए जाएंगे ताकि भीषण गर्मी में लंबी ड्यूटी के दौरान वे खुद को हाइड्रेट और सुरक्षित रख सकें। विशेष रूप से यातायात, कानून-व्यवस्था, गश्त और सार्वजनिक ड्यूटी के तहत तैनात जवानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार को पहली खेप के रूप में 90 हजार ओआरएस पैकेट लेकर ट्रक राजस्थान पुलिस अकादमी में पहुंचा। इन पैकेट को प्रशिक्षण केन्द्रों तक पहुंचाया जा रहा है। मंगलवार को दूसरी खेप में भी 90 हजार पैकेट आने की संभावना है। इस अभियान में रोटरी क्लब मुंबई से जुड़े और राजस्थान के प्रवासी (मूल रूप से झुंझुनूं के) आशीष पोद्दार का महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है।

उदयपुर संभाग की प्रमुख जल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता का रखें विशेष ध्यान : सुरेश रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने सोमवार को उदयपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में केबिनेट मंत्री रावत ने उदयपुर संभाग की प्रमुख जल परियोजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता को होकर विशेष निर्देश प्रदान किए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर व्यक्ति को पेयजल और हर खेत में पानी पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। इसलिए अधिकारी इस संवेदनशील विषय में किसी भी प्रकार की कौताही नहीं बरते हुए प्रत्येक कार्य को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने पर फोकस करें।

मंत्री रावत ने जाखम-जयसमंद-बड़गांव - मातृकुंडिया परियोजना के लिए तैयार की गई डीपीआर पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए सभी आवश्यक पूर्व तैयारियां समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना को हरी झण्डी मिलने पर उसकी क्रियान्विति त्वरित रूप से सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में देवास तृतीय एवं चतुर्थ चरण के अंतर्गत चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। मंत्री रावत ने परियोजना क्षेत्र में आने वाले वन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर गंभीरता से विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए, जिससे कार्यों की गति प्रभावित न हो। इसके अलावा, राजसमंद जिले में बगोलिया फीडर, खरीफ फीडर सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं तथा मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति का भी विस्तार से आकलन किया गया।

बैठक में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता वीरेंद्र सिंह सागर सहित उदयपुर संभाग के सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अब आधुनिक तरीके से 'पधारो म्हारे देस' कह रहा राजस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक वैभव और भौगोलिक विविधता के लिए मशहूर राजस्थान अब डिजिटल प्रगति में भी मॉडल प्रदेश बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल, दूरदर्शी एवं प्रगतिशील नेतृत्व में राजस्थान सरकार ई-गवर्नेंस के साथ डिजिटल नवाचारों को भी बढ़ावा दे रही है। यही कारण है कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा विकसित किया गया ऑनलाइन बुकिंग मैनेजमेंट सिस्टम (ओ.बी.एम.एस.) देश का पहला और एकमात्र सरकारी मल्टी-साइट ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है।

भारत आने वाले विदेशी पर्यटक और देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले लोग अपनी छुट्टियां राजस्थान में बिताने को प्राथमिकता देते हैं। इसी महत्ता को ध्यान में रखते हुए एकीकृत डिजिटल पोर्टल `लगी-tourist.rajasthan.gov.in तथा ओ.बी.एम.एस मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किए गए। जिनके माध्यम से प्रदेश के पर्यटन एवं सांस्कृतिक स्थलों, स्मारकों, संग्रहालयों, वन्यजीव अभयारण्यों, बायोलॉजिकल पार्कों, उद्यानों, सफारी, बोटिंग, कैफेटेरिया, होटल्स आदि की ऑनलाइन टिकट बुकिंग की जा रही है।

ओ.बी.एम.एस. को देशी-विदेशी पर्यटकों का भी भरपूर रेस्पॉन्स प्राप्त हो रहा है। यही कारण है कि एक दिन में सर्वाधिक लगभग 1 लाख पर्यटकों की टिकट बुकिंग का रिकॉर्ड 28 दिसंबर 2025 को दर्ज किया गया। अब तक के आंकड़ों की बात करें, तो लगभग 90 लाख बुकिंग्स के जरिए 3 करोड़ से अधिक पर्यटकों को सेवा प्रदान की जा चुकी है। इनमें 70 से अधिक देशों के विदेशी पर्यटक शामिल हैं। वहीं, पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों को 30 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है। इसी सफलता को देखते हुए ओ.बी.एम.एस को वर्ष 2025 में स्कॉच अवॉर्ड में सिल्वर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

एक क्लिक पर पूरे राजस्थान की जानकारी और टिकटिंग उपलब्ध करवाने के लिए अब तक 100 से अधिक पर्यटन स्थलों को पोर्टल से जोड़ा जा चुका है। जिनमें पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के आमेर किला, जंतर-मंतर, हवा महल, राजकीय संग्रहालय अल्बर्ट हॉल इत्यादि (47 स्थल), वन विभाग के सरिस्का टाइगर सफारी, झालाना लेपर्ड सफारी, नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क इत्यादि (21 स्थल), राजस्थान पर्यटन विकास निगम के चित्तौड़गढ़ एवं कुम्भलगढ़ किला लाइट एंड साउंड शो, दुर्ग कैफेटेरिया पड़ाव नाहरगढ़, होटल लेक पैलेस सिलीसेढ़ (4 स्थल), जयपुर विकास प्राधिकरण के किशन बाग, मसाला चौक, सावन भादो बाग (3 स्थल), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के चित्तौड़गढ़ किला, कुम्भलगढ़ किला, भानगढ़ किला, डीग भवन इत्यादि (7 स्थल), जवाहर कला केन्द्र (15 स्थल) तथा जयपुर मेट्रो आर्ट गैलरी भी शामिल हैं।

राज्य सरकार की इस अभिनव पहल से पर्यटन सेवाओं में पारदर्शिता आने के साथ ही मैनुअल कार्यों में भारी कमी हुई है और संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हुआ है। इसी क्रम में राज्य सरकार ओ.बी.एम.एस. को और अधिक विस्तार देने जा रही है। अब जल्द ही आरटीडीसी के होटलों की ऑनलाइन बुकिंग और जवाहर कला केन्द्र के कार्यक्रमों की टिकट बुकिंग भी इस प्लेटफॉर्म पर शुरू की जाएगी।

साथ ही, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के लगभग 150 से अधिक राजस्थान से बाहर के पर्यटन स्थलों को भी ओ.बी.एम.एस. पर ऑनबोर्ड किया जा चुका है तथा बुकिंग करने की सुविधा प्रक्रियाधीन है।

ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मारी, तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के सिरोही जिले में सोमवार दोपहर सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उदयपुर-पालनपुर हाईवे पर यह हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रेलर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना रोहिड़ा थाना क्षेत्र में भीमाना के पास हुई। पिंडवाड़ा के वृत्ताधिकारी भंवरलाल ने बताया कि एक बाइक पर सवार तीन लोग सड़क पार कर रहे थे तभी तेज गति से गुजर रहे ट्रेलर (ट्रक) ने उन्हें टक्कर मार दी। इस टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरे ने सिरोही के ट्रॉमा सेंटर पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया।

गलता तीर्थ का पौराणिकता और आधुनिकता के संगम के साथ हो विकास : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गालव ऋषि की तपोस्थली गलता तीर्थ के प्रति आमजन में विशेष श्रद्धा का भाव है। ऐसे में तीर्थ के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए पौराणिकता एवंआधुनिकता केसंगमके साथ व्यवस्थाओं को विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकता के अनुरूप जिला प्रशासन और संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथकार्य करें।उन्होंने वृद्धजनों के लिए ट्रैवलेटर जैसी सुविधाएं मुहैया करवाने के निर्देश दिए, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री ने रविवार को जयपुर में गलता धाम परिसर में तीर्थ के विकास को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने तीर्थ परिसर में बने मंदिरों एवं पवित्र कुंडों की दीवारों के जीर्णोद्धार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गलता धाम आने वाले दोनों रास्तों के विकास सहित आमजन के लिए समुचित वाहन पार्किंग विकसित की जाए। साथ ही, गलता मार्गों पर धार्मिक चित्रण किया जाए, ताकि प्रवेश से लेकर तीर्थ तक आने वाले श्रद्धालुओं का मन आस्था से भर उठे। उन्होंने प्रवेश द्वार पर गलता तीर्थ में बने मंदिरों की संपूर्ण जानकारी प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सीताराम जी मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर आरती उतारी और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए कामना की। उन्होंने गलता परिसर में बने विभिन्न मंदिरों का अवलोकन भी किया। इसके बाद उन्होंने गलता तीर्थ के पवित्र कुंड में अर्घ्य भी दिया। साथ ही, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सावन माह से पहले गलता जी के पवित्र कुंडों की साफ-सफाई के लिए आधुनिक मशीनों के साथ काम किया जाए।

साथ ही, परिसर में वानरों के लिए विशेष स्थान निर्धारित किया जाए। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पूर्व विधायक अशोक परनामी सहित जयपुर जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं से ठगी करते पकड़े गए युवक से जूते का तलवा चटवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। बूंदी जिले में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मुहैया कराने का लालच देकर महिलाओं से पैसे ऐंठने के आरोप में पकड़े गए युवक को ग्रामीणों द्वारा जूते का तलवा चाटकर माफी मांगने के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार उसे इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। मिली जानकारी के अनुसार हिंडोली इलाके के काबरी गांव की यह घटना शनिवार की है। इस कथित घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर रविवार को सामने आया। स्थानीय लोगों के अनुसार गांव पहुंचे युवक ने खुद को ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) बताया। उसने ग्रामीणों से बात की और महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं और पीएम आवास योजना के तहत घर दिलाने का लालच दिया। उसने इन योजनाओं में आवेदन आदि व जरूरी कागजी कार्रवाई के नाम पर उनसे 1,000 से 2,000 रुपये मांगे। कुछ महिलाओं ने उसे पैसे भी दे दिए। हालांकि कुछ युवकों समेत अन्य ग्रामीणों को उसके दावों पर शक हो गया।

जब उससे उसकी पहचान के बारे में पूछा गया और आईडी कार्ड दिखाने को कहा गया तो युवक घबरा गया और उसने माना कि वह कोई असली सरकारी अधिकारी नहीं है और उसने ठगे हुए पैसे वापस कर दिए। गांव वालों ने सबक सिखाने के लिए उससे तीन बार जूते का तलवा चटवाया। हालांकि, इस दौरान वह बार-बार माफी मांगते हुए कह रहा था, ''मैं ऐसी नीच हरकत कभी दोबारा नहीं करूंगा।'' हिंडोली पुलिस ने वीडियो के आधार पर युवक की पहचान मनराज प्रजापत के रूप में की। वह डबलाना पुलिस थाना क्षेत्र के रेन गांव का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार कोई औपचारिक शिकायत न मिलने के कारण कोई केस दर्ज नहीं किया गया।

हिंडोली के थाना प्रभारी मुकेश यादव के अनुसार पुलिस ने प्रजापत को जूता चाटने के लिए मजबूर करने वाले और इस घटना का वीडियो बनाने वाले युवक की पहचान लोकेश मीणा के रूप में की है। उन्होंने बताया कि मीणा को ऐसे गैर-कानूनी व्यवहार के खिलाफ आगाह किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस फिलहाल युवक द्वारा की गई इसी तरह की धोखाधड़ी के अन्य संभावित मामलों की जांच कर रही है।

प्रदेश में अवैध मदिरा पर प्रभावी कार्रवाई जारी, 22410 लीटर वॉश नष्ट, 12 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए हजारों लीटर वॉश नंष्ट कर अभियोग दर्ज किए गये है। जिला जालोर में ईपीएफ की बड़गांव से बापला रोड़ पर नाकाबंदी के दौरान एक मारूति कार की जांच करने पर अन्य राज्य में बिक्री योग्य अवैध मदिरा के 24 कार्टन व देसी मदिरा के 14 कार्टन सहित कुल 38 कार्टन जब्त कर अभियोग दर्ज किया। इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही व अनुसंधान जारी है। भीलवाड़ा में अवैध शराब के विरूद्ध आबकारी निरोधक दल की कार्रवाई में 2 अभियोग दर्ज किए गए। श्रीगंगानगर में श्रीकरणपुर क्षेत्र में दबिश देते हुए 400 लीटर वॉश एवं 2 पुरानी भट्टियां नष्ट की गई। इसी क्रम में श्रीगंगानगर के पड़त मदिरा क्षेत्र में कार्रवाई कर एक कार्टन में 28 पव्वे जीएसएम बरामद किया। सूरतगढ पड़त मदिरा दुकान भोजेवाला क्षेत्र में दो कार्टन में 78 पव्वा जीएसएम बरामद किया। इसी क्षेत्र के ग्राम मानेवाल, सादक वाला एवं फरीदसर में दबिश देकर 300 लीटर वॉश एवं 2 कच्ची भट्टियां भी नष्ट की गई।

इसी प्रकार हनुमानगढ़ के मक्कासर और अमरपुरा क्षेत्र में दबिश की कार्रवाई कर 2400 लीटर वॉश सहित 6 कच्ची भट्टियां नष्ट कर 2 अभियोग दर्ज किए गए। अलवर जिले के आबकारी थाना क्षेत्र रामगढ़ व राजगढ़ में ईपीएफ दल ने दबिश देकर करीब 2 हजार लीटर वॉश एवं 2 भट्टियां नष्ट की। मौके पर 2 अभियोग दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। भरतपुर के आबकारी थाना क्षेत्र डीग के सीकरी पहाड़ी, गोपालगढ, कामां एवं सतवाड़ी में दबिश देते हुए 182 पव्वे विभिन्न ब्रांड एवं 107 बीयर विभिन्न ब्रांड की जब्त की गई। मौके से अभियुक्त फरार हो गया। अभियोग दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही जारी है। आबकारी थाना क्षेत्र खेरवाड़ा में ईपीएफ दल ने 1500 लीटर महुआ वॉश नष्ट करते हुए मौके से 50 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की। अभियोग दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। मेड़ता सिटी में ईपीएफ दल ने दबिश देकर 500 लीटर वॉश नष्ट किया साथ ही 12 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की।

सहकारिता विभाग में 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' अभियान का शुभारम्भ

जयपुर। सहकारिता विभाग में कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने, कार्यालयों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने तथा प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' विशेष अभियान का सोमवार से शुभारम्भ हुआ। यह अभियान प्रधान कार्यालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों में 4 से 29 मई 2026 तक चरणबद्ध रूप से संचालित किया जाएगा, जिसमें कार्यालयों की साफ-सफाई सहित चिह्नित रिकॉर्ड एवं कबाड़ के निस्तारण की कार्यवाही की जाएगी। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने अभियान के शुभारम्भ के अवसर पर नेहरू सहकार भवन में सभी अनुभागों एवं भवन में स्थित सहकारी संस्थाओं के कार्यालयों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए कार्यस्थल की स्वच्छता और व्यवस्थित कार्यप्रणाली पर जोर दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि कार्यालयों में रिकॉर्ड के अव्यवस्थित प्रबंधन, अनुपयोगी सामग्री के संधारण एवं अस्वच्छता से राजकार्य प्रभावित होता है तथा आमजन में विभाग की नकारात्मक छवि बनती है। उन्होंने कहा कि यदि कार्यालय साफ-सुथरा और व्यवस्थित रहेगा तो न केवल कार्य करने का सकारात्मक माहौल बनेगा, बल्कि कार्यों के निष्पादन में भी तेजी आएगी।

प. बंगाल विधानसभा चुनाव : भाजपा ने भारी बढ़त के साथ बहुमत की ओर कदम बढ़ाया, तृणमूल पीछे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सोमवार को मतगणना पूरी होने के साथ तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुरुआती बढ़त को निर्णायक जीत में बदलते हुए 200 से अधिक सीटों पर जीत/मजबूत बढ़त हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है, जो राज्य में पार्टी की जबरदस्त लहर का संकेत है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस अपेक्षा से काफी पीछे रह गई है और सीमित सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी है।

निर्वाचन आयोग के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने कालिम्पोंग, दार्जिलिंग, मान्टेश्वर, भातर, मेदिनीपुर, बर्वान, खारडाह, आसनसोल दक्षिण, जगतवल्लभपुर, रानीबांध, नकाशीपाड़ा और जमुरिया सहित अनेक सीटों पर अपनी बढ़त को जीत में बदल दिया। पार्टी के उम्मीदवारों ने कई क्षेत्रों में बड़े अंतर से जीत दर्ज की, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि चुनाव के अंतिम चरण तक भाजपा की स्थिति लगातार मजबूत होती गई।

भाजपा के भरत कुमार छेत्री ने कालिम्पोंग सीट 21,464 वोट के अंतर से जीती, जबकि सैकत पांजा ने पूर्वी बर्धमान जिले के मान्टेश्वर से 14,798 वोट से और करफा सौमेन ने भातर निर्वाचन क्षेत्र से 6,528 वोट से जीत हासिल की। इसी तरह अग्निमित्रा पॉल ने आसनसोल दक्षिण से 40,839 वोट से, शंकर कुमार गुच्छैत ने मेदिनीपुर से 38,747 वोट से और नोमान राय ने 6,057 वोट के अंतर से जीत दर्ज की।

खारडाहा सीट पर भाजपा के कल्याण चक्रवर्ती ने 24,486 वोटों से और बर्वान में सुखेन कुमार बागदी ने 22,300 वोटों से जीत हासिल की। इसके अलावा अनुपम घोष ने जगतबल्लभपुर सीट 6,671 वोटों से, क्षुदीराम टुडू ने रानीबांध सीट 52,269 वोटों से, बिजन मुखर्जी ने जमुरिया सीट 22,514 वोटों से और शांतनु डे ने नकाशीपाड़ा सीट 17,327 वोटों से जीती।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ने कुछ क्षेत्रों में अपनी पकड़ बनाए रखी, लेकिन कुल मिलाकर पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा। मुर्शिदाबाद जिले की भगवांगोला सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा, जहां उम्मीदवार रेयात हुसैन सरकार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 56,407 वोटों के अंतर से हराया। टीएमसी उम्मीदवार सबीना यास्मीन ने सुजापुर में 60,287 वोटों के बड़े अंतर से, मोहम्मद नूर आलम ने समसेरगंज में 7,587 वोटों से और मुस्तफिजुर रहमान ने भरतपुर में 30,753 वोटों से जीत हासिल की।

पार्टी के उम्मीदवार अनीसुर रहमान ने डेंगांगा को 17,818 वोटों के अंतर से और अब्दुल खालिक मुल्ला ने मेटियाब्रुज को 87,879 वोटों के भारी अंतर से जीता। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस कई अन्य सीटों पर पीछे रही और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता तथा मंत्री भी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पिछड़ते नजर आए।

जहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ, वह बंगाल हमारा है: चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सफलता पर खुशी जताते हुए हिंदुत्व विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया। चौधरी, जो पिछले महीने बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बने हैं, ने पड़ोसी राज्य में पार्टी के प्रदर्शन पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के जरिये अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, जहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ, वह बंगाल हमारा है। पश्चिम बंगाल की देशभक्त जनता को विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश के लिए हृदय से कोटि-कोटि धन्यवाद।

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यालयों में तोड़फोड़

भाजपा ने संलिप्तता से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत की तरफ बढ़ने के बीच पूरे राज्य में तृणमूल कांग्रेस के कार्यालयों में तोड़फोड़ किए जाने और वहां लगे फ्लेक्स बोर्ड, बैनर एवं झंडों को फाड़े जाने तथा विरूपित किए जाने की घटनाएं सामने आईं। हालांकि, भाजपा ने इन घटनाओं में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया।

तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि चुनाव रुझान स्पष्ट होने के कुछ घंटों बाद दक्षिण 24 परगना के बरुईपुर, कूच बिहार के तूफानगंज और उत्तर 24 परगना के पानिहाटी स्थित उसके कार्यालयों के बाहर उपद्रवी जमा हो गए और वहां तोड़फोड़ की।

बरुईपुर में स्थानीय तृणमूल नेता ने आरोप लगाया कि उपद्रवियों ने पार्टी कार्यालय में लगे फ्लेक्स बोर्ड और बैनर फाड़ दिए गए तथा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी की तस्वीरें जमीन पर फेंक दीं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके में सुरक्षा बल तैनात किए गए और पार्टी कार्यालय के बाहर जमा भीड़ को तितर-बितर कर दिया गया।

एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बर्धमान जिले के जमुरिया में अज्ञात लोगों ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यालय में आग लगा दी।

असम में राजग की शानदार जीत, सरकार के काम और विकास के एजेंडे पर जनता ने लगाई मुहर : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा चुनाव में राजग के शानदार प्रदर्शन के लिए जनता का आभार जताते हुए सोमवार को कहा कि यह परिणाम सरकार के अच्छे काम और राज्य के विकास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर का प्रतिबिंब है।

शर्मा ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, यह सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए अभूतपूर्व जीत है। यह पहला मौका है जब भाजपा ने राज्य में स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार असम विधानसभा चुनाव के अब तक घोषित नतीजों में भाजपा 62 सीटें जीत चुकी है और 20 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जबकि उसकी सहयोगी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को सात सीटें मिलीं और तीन पर बढ़त है। राजग के अन्य सहयोगी दल असम गण परिषद (एजीपी) चार सीट जीत चुकी है और छह सीटों पर आगे चल रही है।

चुनाव परिणाम में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर शर्मा ने कहा, लोगों ने गायक जुबीन गर्ग की मौत का राजनीतिकरण करने के लिए उन्हें सजा दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक-दो को छोड़कर विपक्ष में कोई हिंदू विधायक नहीं होगा और राज्य के भविष्य को सुरक्षित करने और 'बांग्लादेशी मियाओं' की 'आक्रामकता' से लड़ने के लिए अच्छे हिंदू कांग्रेसी नेताओं से भाजपा में शामिल होने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हैट्रिक के साथ शतक!, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन तीन अंकों के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है।

केशव मौर्य का अखिलेश यादव पर तंज, बोले- 'जनता अब उनकी सुनने को तैयार नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जनता उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है।

एक पोस्ट में मौर्य ने लिखा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव को अब जनता सुनने को तैयार नहीं है। उनके तमिलनाडु वाले 'भैया' एम. के. स्टालिन और बंगाल की 'दीदी' ममता बनर्जी को भी जनता ने हाशिए पर धकेल दिया है। उन्होंने आगे कहा, उनके 'भैया' राहुल गांधी का हाल पहले ही सब देख चुके हैं, और हाल ही में बिहार में तेजस्वी यादव भी पराजित हो चुके हैं। मौर्य ने कहा ''समाजवादी पार्टी को वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्ता के सपने देखना छोड़ देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में भाजपा आगे जा रही है और सपा के हिस्से अब केवल इंतजार ही रह गया है।'' इसी बीच, विभिन्न राज्यों में चल रही मतगणना के रुझानों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल और असम में बढ़त बनाए हुए है। 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, ''आज पूरे देश में भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय श्रीराम के जयघोष गूंजेंगे। राष्ट्रहित सर्वोपरि है, तुष्टिकरण और घुसपैठ की राजनीति करने वाले स्वाभाविक रूप से बेचैन होंगे। जनता विकास, सुरक्षा और आत्मगौरव के साथ खड़ी है। जय भाजपा, तय भाजपा।''

'बंगाल का परिणाम भय, तुष्टीकरण और घुसपैठियों को संरक्षण देने के प्रति जनता का करारा जवाब'

नई दिल्ली/भाषा। विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत पर पश्चिम बंगाल के लोगों को बधाई देते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राज्य की जनता ने घुसपैठियों और उनके समर्थकों को एक कड़ा संदेश दिया है, और यह भी स्पष्ट किया है कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले दल इस सबक को नहीं भूलेंगे। शाह ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में टिप्पणी की कि भारी जनादेश उन लोगों के प्रति जनता की प्रतिक्रिया है जो भय का माहौल बनाते हैं और घुसपैठियों को संरक्षण देने व तुष्टीकरण की राजनीति करने में लगे रहते हैं।

गृह मंत्री ने कहा, ''बंगाल की जनता को लाखों सलाम...यह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भय पर नरेन्द्र मोदी जी के भरोसे की जीत है। मेरे जैसे भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए यह गर्व का क्षण है कि गंगा के उद्गम स्थल गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक, आज भाजपा का भगवा झंडा हर जगह शान से लहरा रहा है।'' उन्होंने बंगाल में भाजपा की ''ऐतिहासिक जीत'' को अनगिनत कार्यकर्ताओं के बलिदानों, संघर्षों और शहादतों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, ''यह उन परिवारों के धैर्य की जीत है, जिन्होंने हिंसा सहते हुए भी भगवा झंडा नहीं छोड़ा। भाजपा की शून्य से आज एक भारी बहुमत तक की इस कठिन यात्रा में मैं उन सभी कार्यकर्ताओं-साथ ही उनके परिवारों को भी नमन करता हूं जिन्होंने प्राणों की आहुति दी, हिंसा और यातनाएं सहीं, लेकिन अपनी विचारधारा के मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए।'' शाह ने कहा, ''बंगाल की जनता ने इस शानदार जनादेश के माध्यम से उन सभी शहीद भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

सद्भाव यात्रा के दौरान जन समर्थन से अत्यंत उत्साहित महसूस कर रहा हूं: निशांत कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाल्मीकि नगर/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता निशांत कुमार ने सोमवार को कहा कि वह अपनी पहली जनसंपर्क पहल 'सद्भाव यात्रा' के दौरान मिल रहे उत्साहजनक जनसमर्थन से अत्यंत ऊर्जावान महसूस कर रहे हैं।

महज दो महीने पहले ही राजनीति में कदम रखने वाले 45 वर्षीय निशांत कुमार ने अपनी यात्रा की शुरुआत पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर से की है। यह भारत-नेपाल सीमा के पास स्थित एक दूरस्थ इलाका है, जिसे उनके पिता भी अपने दौरों की शुरुआत के लिए अक्सर चुनते रहे हैं। बिहार में उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगभग दो दशकों तक सत्ता में रहे। निशांत कुमार रविवार देर रात पटना से कई घंटे की यात्रा कर वाल्मीकिनगर पहुंचे। इस दौरान उनकी खुली गाड़ी, जिसे 'सद्भावना का रथ' नाम दिया गया है, पर जदयू कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाए। जदयू सुप्रीमो के उत्तराधिकारी माने जा रहे निशांत कुमार ने यात्रा के दूसरे दिन अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा, जनता से मिले स्नेह और आशीर्वाद से मैं अत्यंत ऊर्जावान महसूस कर रहा हूं। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार।

नगालैंड में कोरीदांग उपचुनाव में भाजपा के दाओचिर आई इम्चेन ने जीत हासिल की

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के कोरिडांग विधानसभा क्षेत्र के लिए हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार दाओचिर आई इम्चेन ने 3,123 मतों से जीत हासिल की। यह जानकारी सोमवार को निर्वाचन आयोग ने दी। दाओचिर आई इम्चेन ने 7,317 मत प्राप्त किए और निर्दलीय उम्मीदवार तोशिकाबा को हराया, जिन्हें 4,194 वोट मिले।

एक अन्य निर्दलीय उम्मीदवार, इम्तिवापांग, 3,633 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि एनपीपी उम्मीदवार आई अबेनजान को 3,219 वोट मिले। कांग्रेस उम्मीदवार टी चालुकुम्बा आओ को मात्र 144 मत मिले, जबकि नोटा को 48 वोट प्राप्त हुए। इस जीत के साथ, इम्चेन 35 वर्ष की आयु में सबसे युवा विधायक के रूप में नगालैंड की 14वीं विधानसभा में प्रवेश करेंगे उन्होंने कई मतदान केंद्रों पर, विशेष रूप से मंगमेटोंग और लोंगखुम क्षेत्रों में, लगातार बढ़त बनाए रखी और निर्णायक जीत हासिल की।

बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करें, अवैध कब्जों पर होगी कड़ी कार्रवाई : 'जनता दर्शन' में योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार हर जायज़ समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने माता-पिता के साथ आए बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली।

जब कुछ अभिभावकों ने बताया कि बच्चों का अभी स्कूल में दाखिला नहीं कराया गया है, तो मुख्यमंत्री ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा बेहद आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अवश्य स्कूल भेजें, क्योंकि शिक्षित बच्चे ही एक समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में शिक्षा का स्तर काफी सुधरा है। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। साथ ही, बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों के खातों में ड्रेस, किताबें, जूते-मोजे आदि के लिए 1200 रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। बच्चों को पौष्टिक मिड-डे मील भी उपलब्ध कराया जा रहा है। जनता दर्शन में पहुंचे युवाओं ने रोजगार से जुड़े मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि नौ वर्षों में राज्य सरकार ने नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है और भर्ती प्रक्रियाएं पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई गई हैं।

'असम, बंगाल में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का मणिपुर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा'

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने सोमवार को कहा कि असम और पश्चिम बंगाल चुनावों में भाजपा के मजबूत प्रदर्शन का राज्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। सिंह ने पत्रकारों से कहा, ''असम और पश्चिम बंगाल चुनावों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का अगले साल मणिपुर चुनावों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।'' उन्होंने कहा, बंगाल में अप्रत्याशित बहुमत जनता की पसंद है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां सभी को वोट देने का अधिकार है। मैं बंगाल और असम की जनता को अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूं।'' मणिपुर में एनआरसी को लागू करने की सार्वजनिक मांग पर सिंह ने कहा कि सरकार इस उद्देश्य के लिए एक समिति बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, ''विधानसभा ने पूर्व में इसके कार्यान्वयन के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था, लेकिन अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है।''

असम के जोरहाट में गौरव गोगोई भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी से पराजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने सोमवार को एक बड़ी जीत दर्ज की और जोरहाट में कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई को 23,000 से ज्यादा मतों से पराजित कर दिया। राज्य की राजनीति में साढ़े तीन दशक से ज्यादा का अनुभव रखने वाले गोस्वामी का सादगी भरा और जमीनी स्तर पर केंद्रित चुनाव प्रचार रंग लाया और वह छठी बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए।

उनकी जीत ने गोगोई के राज्य विधानसभा में प्रवेश के पहले प्रयास को भी विफल कर दिया। कांग्रेस नेता अभी लोकसभा में जोरहाट से तीसरी बार सांसद हैं।

हितेंद्र (67) ने अपने व्यापक संगठनात्मक अनुभव और मतदाताओं तक अपनी पहुंच पर भरोसा किया और चुनाव प्रचार के दौरान वह ज्यादातर मीडिया की चकाचौंध से दूर रहे।

सिवान में राजद विधायक पर भूमि कब्जाने का आरोप में मामला दर्ज, छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के सिवान जिले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक ओसामा साहब के खिलाफ कथित रूप से भूमि कब्जाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। सारण रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) निलेश कुमार ने बताया कि विधायक के आवास पर छापेमारी की गई लेकिन उस समय वह अपने आवास पर मौजूद नहीं थे। कुमार ने कहा कि कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ''महादेवा ओपी में ओसामा के खिलाफ एक चिकित्सक की जमीन को बल प्रयोग के जरिए कब्जाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। कुमार ने बताया कि पुलिस ने विस्तृत जांच और सक्षम न्यायालय से वारंट प्राप्त करने के बाद छापेमारी की।

असम विधानसभा चुनाव: राजग ने 70 सीट जीतकर बहुमत हासिल किया

गुवाहाटी/भाषा। असम में सोमवार को जारी मतगणना के बीच सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 70 सीट जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। यह जानकारी निर्वाचन आयोग ने दी है।

असम विधानसभा में बहुमत के लिए 64 सीट की जरूरत होती है। भारतीय जनता पार्टी को 58 सीट पर जीत हासिल हुई है, जबकि उसके सहयोगी दलों बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को सात और असम गण परिषद (एजीपी) को पांच सीट मिली है। भारतीय जनता पार्टी, एजीपी और बीपीएफ क्रमशः 20, पांच और तीन सीट पर आगे हैं। विपक्षी खेमे में कांग्रेस को पांच सीट पर जीत मिली है और वह 14 सीट पर आगे है, जबकि एआईयूडीएफ, रायजोर दल और तृणमूल कांग्रेस की एक-एक सीट पर जीत हुई है। राज्य की सभी 126 विधानसभा सीट पर नौ अप्रैल को मतदान हुआ था।

बंगाल चुनावों से पहले की गई 'आरएसएस की मेहनत' का असर परिणाम में दिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बड़े पैमाने पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया और इसके स्वयंसेवकों ने लोगों के छोटे-छोटे समूहों के साथ राज्य के हर कोने में बैठकें कीं तथा उनसे इस बार निर्भीक होकर अपना वोट डालने का आग्रह किया था। सूत्रों के अनुसार, आरएसएस के स्वयंसेवकों ने जमीनी स्तर पर लोगों की नब्ज़ पर भी नजर रखी और भाजपा को ''जनता के मिजाज'' और ''प्रतिद्वंद्वियों की चाल'' के बारे में ''महत्वपूर्ण जानकारी'' दी, जिससे पार्टी को अपनी चुनावी रणनीति को बेहतर बनाने में मदद मिली।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का किला ढहाने में भाजपा को मिली सफलता में आरएसएस स्वयंसेवकों के योगदान को स्वीकार करते हुए एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''उन्होंने वास्तव में बहुत मेहनत की।'' सूत्रों ने कहा,''हमने जमीनी स्तर पर दिन-रात काम किया और लोगों तक अपना संदेश पहुंचाया। भाजपा ने भी इस सफलता को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की।'' उन्होंने बताया कि पार्टी और संघ के स्वयंसेवकों ने हर स्तर पर उपयुक्त समन्वय के साथ काम किया। सूत्रों के अनुसार, चुनावों के दौरान, आरएसएस स्वयंसेवकों ने बड़े पैमाने पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाए और राज्य भर में लोगों के छोटे समूहों के साथ लगभग दो लाख बैठकें कीं।

खिलाड़ियों को युवाओं को नशे से दूर रहने और खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए : मनोज सिन्हा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को खिलाड़ियों से 'नशा मुक्त अभियान' के ब्रांड दूत के तौर पर काम करने और युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

यहां कश्मीर विवि में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय वुशु चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सिन्हा ने खिलाड़ियों से छोटा वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर साझा करने को कहा जिससे कि नशे के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता फैलाई जा सके और अन्य लोगों को सकारात्मक जीवनशैली के लिए खेल और रचनात्मक गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। सिन्हा ने कहा, ''आप भारत की नई पीढ़ी के आदर्श हैं। आपकी अपील युवाओं को सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करेगी।'' उपराज्यपाल ने दोहराया कि प्रशासन उच्च शिक्षण संस्थानों में एक मजबूत खेल संस्कृति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे कि हर छात्र को एक सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली जीने के समान अवसर मिल सकें।

सिन्हा ने कहा कि अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय वुशु चैंपियनशिप सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता से कहीं बढ़कर है। यह 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का एक जीवंत उत्सव है और विविधता में एकता, अनुशासन, उत्कृष्टता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में कार्य करता है। सिन्हा ने कहा, ''यह चैंपियनशिप अपने साथ खेल की उस मूल भावना को बनाए रखने और उसे नया जीवन देने की जिम्मेदारी भी लेकर चलती है जो सिर्फ प्रतिस्पर्धा से कहीं ऊपर है और हमें एक इंसान के तौर पर हमारी सर्वोच्च आकांक्षाओं से जोड़ती है।'' उन्होंने कहा, ''कश्मीर विश्वविद्यालय में होने वाली यह अंतर विश्वविद्यालय वुशु चैंपियनशिप ना केवल अपनी शानदार प्रतियोगिताओं के लिए याद रखी जाए बल्कि उन दोस्ती के बंधनों के लिए भी याद रखी जाए जो इसने बनाए, उन बाधाओं के लिए जो इसने तोड़ीं, और एक एकजुट, दृढ़ और दयालु भारतीय परिवार की उस भावना के लिए भी याद रखी जाए जिसे इसने फिर से जगाया।''

सुविचार

मेहनत का फल और समस्या का हल, देर से ही सही लेकिन मिलता जरूर है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अब घुसपैठियों से मुक्त हो प. बंगाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। यूं तो केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी विधानसभा चुनाव हुए हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के नतीजे कई मायनों में खास हैं। भाजपा बंगाल जीतने के लिए वर्षों से जोर लगा रही थी। उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं की मेहनत अब रंग लाई है। यह राज्य हमारे देश की सुरक्षा एवं अखंडता की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यहां बांग्लादेशियों की घुसपैठ और अवैध बसावट का मुद्दा बहुत चर्चा में रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपनी जनसभाओं में इसे जोर-शोर से उठाते रहे हैं। अब प. बंगाल में भाजपा सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। कुछ दिनों में शपथ-ग्रहण समारोह हो जाएगा। उसके बाद नई सरकार को सबसे पहले इस मुद्दे पर काम करना चाहिए। अब भाजपा के पास यह कहने का मौका नहीं होगा कि राज्य में हमारी सरकार नहीं है, अन्यथा हम एक-एक घुसपैठिए को निकाल बाहर करते। केंद्र में पहले ही से राजग सरकार है। असम में फिर एक बार भाजपा को जनादेश मिला है। तीनों जगह तालमेल रहने की हर संभव गुंजाइश है। अब प. बंगाल घुसपैठियों से मुक्त होना ही चाहिए। भारत के संसाधनों पर भारतीयों का अधिकार है। अवैध बांग्लादेशियों के लिए यहां कोई जगह नहीं होनी चाहिए। तृणकां ने डेढ़ दशक के शासन में तुष्टीकरण की सारी हदें पार कर दी थीं। संदेशखाली मामले में इस पार्टी की चौतरफा निंदा हुई थी। वहां महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही थीं। पुलिस भी तृणकां नेताओं के इशारे पर काम करती थी। बांग्लादेशी घुसपैठियों की मौज थी। वे मनमर्जी से झुग्गियां बनाते, सरकारी सुविधाओं का पूरा लाभ उठाते थे। अब यह सब बंद होना चाहिए।

याद करें, जब पश्चिम बंगाल में एसआईआर हो रहा था, तब बांग्लादेशियों के झुंड के झुंड किस तरह भागे जा रहे थे! तृणकां ने उस प्रक्रिया को रुकवाने, दुष्प्रचार करने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन वह नाकाम रही थी। अब भाजपा की जिम्मेदारी है कि वह अगले पांच वर्षों में इन सभी समस्याओं का ठोस समाधान करे। किसी ज़माने में प. बंगाल औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाता था। पिछले लगभग पांच दशकों में यह राज्य अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का पूरा उपयोग करने से वंचित रहा है। भरपूर प्राकृतिक संसाधन, मानव संसाधन, उपजाऊ जमीन और समुद्र तट होने के बावजूद यहां व्यापार के लिए अनुकूल माहौल नहीं बन पाया। राजनीतिक दलों ने सिर्फ अपना वोटबैंक पक्का करने की परवाह की। हड़ताल, जुलूस, तालाबंदी और हिंसा के कारण कारखानों को ताले लगते गए। आम बंगाली को नौकरी के लिए अन्य राज्यों में पलायन करना पड़ा। अब प. बंगाल में माहौल सुधरना चाहिए। राज्य में कारखाने खोले जाएं, लोगों को रोजगार दिया जाए। इस बात का खास ध्यान रखा जाए कि रोजगार भारतीय नागरिकों को ही मिले। कहीं उनके वेश में बांग्लादेशी घुसपैठिए मलाई खाने न लग जाएं। प. बंगाल में राजनीतिक हिंसा बहुत होती थी। तृणकां के शासन में ऐसे कई मामले सामने आए थे। जब लोग पुलिस के पास जाते थे तो कोई सुनवाई नहीं होती थी। अपराधी बेखौफ थे। कई इलाकों में हालात ऐसे हो गए थे कि लोग अपनी पसंदीदा पार्टी का झंडा लगाने और मतदान के लिए जाने से डरते थे। अब ऐसे अपराधियों पर कड़ा नियंत्रण होना चाहिए। राजनीतिक हिंसा के पुराने मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अपराधियों तक यह संदेश जाना चाहिए कि अब उनकी दाल नहीं गलेगी। बंगाल स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस, महर्षि अरविंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान संतों और स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि है। इसका वैभव लौटना चाहिए, जो पिछले वर्षों में कहीं गुम हो गया था।

ट्वीटर टॉक

एक कार्यकर्ता के तौर पर आज मेरा दिल भावनाओं से भर गया है। एक संकल्प पूरा हुआ है, एक सपना सच हुआ है। आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की आत्मा को खुशी होगी। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बंगाल में मिली जीत शानदार और असाधारण है।

-शिवराजसिंह चौहान

हम सभी कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस देश को कांग्रेस की ज़रूरत है, और सिर्फ़ कांग्रेस ही इस देश के लोकतंत्र को बचा सकती है। बंगाल समेत 3 राज्यों में नतीजे निराशाजनक हैं, लेकिन हम निराश नहीं होंगे।

-अशोक गहलोत

मैंने राजस्थान संस्कृत अकादमी और वैदिक हेरिटेज एंड मैन्युस्क्रिप्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित मैन्युस्क्रिप्ट प्रदर्शनी और 21-दिन की स्क्रिप्ट ट्रेनिंग वर्कशॉप में भाग लिया, जहाँ मैंने प्रदर्शनी देखी और ज्ञान भारतम मिशन के तहत मैन्युस्क्रिप्ट्स के डिजिटाइज़ेशन प्रोसेस को समझा।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सच्चे जीवन के वर्ष

नौशेरवां एक न्यायप्रिय राजा थे। एक दिन वे भेष बदलकर राज्य का हाल जानने निकले। रास्ते में उन्हें एक वृद्ध किसान मिला। उसके बाल सफेद थे, चेहरे पर झुर्रियां थीं, फिर भी उसमें युवाओं जैसा उत्साह था। राजा ने उससे पूछा, 'आपकी उम्र कितनी है?' वृद्ध ने मुस्कराकर कहा, 'चार वर्ष।' यह सुनकर राजा को आश्चर्य हुआ। दोबारा पूछने पर भी वही उत्तर मिला तो वे क्रोधित हो उठे और बोले, 'मैं साधारण व्यक्ति नहीं, राजा नौशेरवां हूं। सच-सच बताओ।' फिर राजा ने स्वयं को शांत किया और विनम्रता से पूछा, 'आप तो अस्सी वर्ष के लगते हैं, फिर चार वर्ष क्यों कहते हैं?' वृद्ध ने उत्तर दिया, 'महाराज, अस्सी वर्ष तो मैंने सांसारिक कार्योंधन कमाने, परिवार बसानेमें बिताए। वह जीवन तो पशु भी जीता है। पर पिछले चार वर्षों से मैं ईश्वर-भक्ति, सेवा, दया और सदाचार में लगा हूं। यही मेरे जीवन के सच्चे वर्ष हैं, इसलिए मैं स्वयं को चार वर्ष का मानता हूं।'

सामयिक

बंगाल में राजनीतिक संघर्ष वास्तविक लोकतंत्र की पुनर्स्थापना तथा सत्ता संस्कृति को सर्वसमावेशी बनाने का था। यह जिम्मेवारी मुख्यतः प्रदेश के गैर मुस्लिमो यानी हिंदुओं को ही लेना था। हिंदुओं के अंदर अगर यह भाव पैदा हुआ कि इस सरकार के रहते हमारा अस्तित्व संकट में है तो इसके कारण अत्यंत गहरे हैं। बांग्लादेश की घटनाओं ने इस मनोविज्ञान को सशक्त किया कि हमें कुछ हद तक जान की बाजी लगानी होगी।

आखिर कैसे आए ये चुनाव परिणाम?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों पर कोई एक सुसंबद्ध टिप्पणी संपूर्ण स्थितियों का विश्लेषण नहीं कर सकता। किंतु सबको मिलाकर एक तस्वीर बनाएं तो इसमें दो ऐतिहासिक युगांतरकारी परिणतियां हैं। एक, पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐसी विजय जो एक समय अकल्पनीय थी तथा तमिलनाडु में थलापति विजय की पार्टी टीवीके का चमत्कारिक प्रदर्शन। वैसे तो असम में भी भाजपा की तीसरी बार लगातार विजय महत्वपूर्ण है पर ये दोनों घटनाएं ऐतिहासिक और युगांतरकारी हैं। बंगाल में एक तिहाई मुस्लिम मतदाताओं के बहुमत का हर हाल में भाजपा को सत्ता में आने से रोकने और तृणमूल के समर्थन में आक्रामकता से काम करने के बावजूद भाजपा की इतनी बढ़त सामान्य घटना नहीं है। आम सोच यही थी कि ममता की शुरुआत ही 30 प्रतिशत मत और लगभग 65-70 सीटों से होती है जबकि भाजपा को शून्य से शुरुआत करनी होगी। वैसे असम में इससे ज्यादा मुस्लिम आबादी के बावजूद भाजपा ने जीत हासिल कर कई मिथकों को तोड़ा। पर असम और बंगाल की राजनीति और सत्ता के चरित्र में मौलिक अंतर है। ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में पूरी राजनीति और सत्ता का चरित्र ऐसा बना दिया था जिसमें किसी भी पार्टी के लिए उसको भेदना असंभव सी चुनौती थी।

पिछले एक दशक से ज्यादा समय के चुनावों का एक पहलू हर जगह लागू होता है वह यह कि हिंदुत्व व अपनी संस्कृति, धर्म के प्रति हिंदुओं के पुनर्जागरण के कारण एक निश्चित वोट का आधार हर राज्य में निर्मित हो गया है और यह मत भाजपा से संतुष्ट असंतुष्ट या कुछ मायनो में नाराज होने के बावजूद वह हारे या जीते उसे या साथी दलों या उसकी अनुपस्थिति में दूसरे दलों को जाता है। यह प्रवृत्ति पांचो राज्यों में रही है। भाजपा स्थानीय -क्षेत्रिय मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए भी चुनावों को मतदाताओं को सीधे अपील करने वाले राष्ट्रीय विषयों के साथ संबद्ध करती है। भाजपा ने राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसांख्यिकी को बंगाल एवं असम दोनों जगह प्रमुख मुद्दे के रुप स्थापित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान संबंधी कार्यों तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम यानी महिला आरक्षण को लागू करने की संसदीय पहल ने भी चुनावी माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बंगाल के परिणाम ने केवल उन्हें चौंकाया है जो जमीनी वास्तविकता और 2018 से मतदाताओं मुख्यतः हिन्दुओं के बड़े वर्ग के अंदर बदलाव की छटपटाहट को महसूस नहीं कर रहे थे। तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के नेतृत्व में सत्ता और पूरी राजनीति को निहित स्वार्थी तत्वों की गिरफ्त में दिए जाने से बंगाल की संस्कृति चुनावों को हर हाल में अपने पक्ष में करने की हो चुकी है। कट्टरपंथी तत्वों को प्रत्यक्ष-परोक्ष संरक्षण और प्रोत्साहन के कारण पूरा प्रदेश हमेशा सांप्रदायिक भय और तनाव की स्थिति में रहा। मतदाताओं की इच्छा नहीं तृणमूल नेताओं की चाहत से आप मतदान करिए या चुपचाप घर बैठिये अन्यथा हिंसा, आगजनी, दमन, उत्पीड़न और संबंधित स्थान या प्रदेश से पलायन का दंश झेलिये। साइलेंट रीगिंग बंगाल की मुख्य चुनावी प्रवृत्ति रह रही है। पहले इसी रास्ते वाम मोर्चा ने लगातार जीत सुनिश्चित किया और उसके विरुद्ध लंबा संघर्ष करते-करते ममता बनर्जी ने भी अपनी पूरी पार्टी को उससे ज्यादा हिंसक और दमनकारी तत्वों में परिणत कर दिया। पलायन या हिंसा की सर्वाधिक शिकार महिलाएं होतीं हैं। पुरुषों के मुकाबले 1.5 महिलाओं ने ज्यादा मतदान किया महिला होने के बावजूद ममता बनर्जी के विरुद्ध इनका बहुत बड़ा मत भाजपा को गया है। भाजपा पर ध्रुवीकरण का आरोप लगाकर सतही विश्लेषण करने वाले विचार करें कि भद्र लोक माने जाने वाले बंगाल के हिंदुओं ने ममता बनर्जी की सत्ता संस्कृति के विरुद्ध विद्रोह कर भाजपा को मत दिया तो क्या इसे केवल ध्रुवीकरण कहेंगे और ऐसा हुआ भी तो क्यों?

बंगाल में राजनीतिक संघर्ष वास्तविक लोकतंत्र की पुनर्स्थापना तथा सत्ता संस्कृति को सर्वसमावेशी बनाने का था। यह जिम्मेवारी मुख्यत: प्रदेश के गैर मुस्लिमो यानी हिंदुओं को ही लेना था। हिंदुओं के अंदर अगर यह भाव पैदा हुआ कि इस सरकार के रहते हमारा अस्तित्व संकट में है तो इसके कारण अत्यंत गहरे हैं। बांग्लादेश की घटनाओं ने इस मनोविज्ञान को सशक्त किया कि हमें कुछ हद तक जान की बाजी लगानी होगी।

हिंदू आबादी में लगभग 67 प्रतिशत से ज्यादा ने भाजपा के पक्ष में वोट दिया है। यह बहुत बड़ी बात है। एसआईआर में 90 लाख से ज्यादा मृत, संदिग्ध और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के कारण फर्जी मतदाताओं का खेल खत्म हो गया। सवा 2 लाख केंद्रीय बलों की उपस्थिति, चुनाव के बाद भी सुरक्षा बलों के बने रहने की घोषणा, दूसरे राज्यों के अधिकारियों को चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्ति, प्रदेश के अधिकारियों का व्यापक पैमाने पर स्थानांतरण या चुनाव प्रक्रिया तक कार्य मुक्ति तथा चुनावी हिंसा वाले चिन्हित व्यक्तित्वों के विरुद्ध कार्रवाई व सतर्क दृष्टि आदि ने भय व संशयग्रस्त मतदाताओं के अंदर सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया जिससे चुनावी वातावरण में आमूल परिवर्तन आया। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पहले दिन से यह विश्वास दिलाने की रणनीति अपनाई कि हम सत्ता में आ रहे हैं तथा किसी के साथ अन्याय हुआ तो पूरी पार्टी खड़ी रहेगी। इन सबका सम्मिलित परिणाम है असंभव सा लगने वाला सत्ता परिवर्तन।

असम में पहले दिन से स्पष्ट था कि वह भाजपा को बड़ी चुनौती नहीं है। किंतु गौरव गोगोई भी जोरहाट से हार जाएंगे इसकी कल्पना कांग्रेस को नहीं रही होगी। राहुल गांधी एवं प्रियंका वाड्रा व उनके रणनीतिकारों के कारण टिकट बंटवारे तक नेता पार्टी छोड़कर जाते रहे। भाजपा ने पिछले लंबे समय से असम अस्मिता व आसामी संस्कृति को भारत के व्यापक हिंदुत्व संस्कृति और राष्ट्रभाव से जोड़ने में सफलता पाई है। मुगलों से युद्ध करने वाले लचित बरफुकन से लेकर महाराज शंकर देव को जिस तरह भाजपा ने प्रस्तुत किया एवं जनजाति गौरव को निचले स्तर तक ले गए उन सबसे सामाजिक सांस्कृतिक पुनर्जागरण हुआ है। सरकार की आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा नीति ने उसे बल दिया है। हिमंता विस्वासरमा की छवि देश में भले घुसपैठी और मुस्लिम विरोधी बनाई गई किंतु इसके साथ असम में उन्होंने बच्चों व युवाओं के मामा और महिलाओं के भाई के रूप में भी छवि बनई है। असम में घुसपैठ लंबे समय से मुद्दा रहा है और इसके आधार पर वहां 80 के दशक में छात्र नेताओं की सरकार बनी। बाकी पार्टियों ने इसका उपहास उड़ाया और भाजपा आज भी इस पर कायम है। इन सबका असर हुआ है और भाजपा तीसरी बार सत्ता बनाए रखने में कामयाब रही।

तमिलनाडु में थलापति विजय की टीवीके या तमिलगा वेत्री कझगम दोनों मुख्य गठबंधन द्रमुक नेतृत्व आईएनडीआईए तथा अन्नाद्रमुक भाजपा गठबंधन को पछाड़ नंबर एक की पार्टी बन जाएगी इसकी कल्पना किसी को नहीं थी। दरअसल, द्रमुक के विरुद्ध सत्ता विरोधी रुझान जमीन पर दिख रहा था। इसी कारण एमके स्टालिन ने एक तिहाई विधायकों का टिकट काटा। उन्होंने तमिलवाद और तमिल भाषा को लेकर आक्रामक राजनीति की। पूरी पार्टी और कांग्रेस को छोड़कर गठबंधन सनातन और हिंदुत्व के विरुद्ध जहर उगलने लगी। विधानसभा में अलग से तमिल राष्ट्रगान तक की परंपरा शुरू कर दी। आम लोगों को इस तरह का अतिवाद स्वीकार नहीं था और द्रमुक को इसका आभास हुआ। चुनाव आते-आते सनातन विरोधी वक्तव्य बंद हो गए और उदयनिधि स्टालिन जो एक समय सनातन के समूल नाश की बत करते थे मंदिर -मंदिर घूमने लगे। अन्नाद्रमुक और भाजपा गठबंधन सत्ता विरोधी जन असंतोष और लोगों की आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने में सफल नहीं रहे और इसका लाभ विजय को मिला। वैसे भी भाजपा वहां केवल 27 सीटों पर लड़ रही थी। विजय फिल्मी कैरियर छोड़कर तमिलनाडु की राजनीति बदलने की घोषणा के साथ आए और 2024 में पार्टी बनाने के बाद लगातार सक्रिय रहे। यद्यपि उन्होंने दोनों पक्षों का मत काटा किंतु द्रमुक को ज्यादा क्षति पहुंचाई। ईसाइयों के मत का भी बड़ा हिस्सा उनके खाते आया और मुस्लिम मतों का भी। यहां से तमिलनाडु की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत हो रही है और एमजी रामचंद्रन के बाद विजय दूसरे बड़े फिल्म स्टार होंगे जिनके राजनीति में लंबे समय तक रहने की संभावना है। इसे नास्तिकतावाद और आक्रामक तमिलवाद की आंशिक पराजय के रूप में देखा जाना चाहिए। केरल में भाजपा ने खूब काम किया, जमीनी मुद्दे उठाए, धार्मिक प्रवृत्ति को देखते हुए लोगों की इच्छा को वाणी भी दी। इन सबके परिणामस्वरूप उसके जनाधार में उछाल आया, 2024 में त्रिशूर लोकसभा सीट पर जीत तथा तिरुवनंतपुरम के नगर निगम पर आधिपत्य इसका प्रमाण है। कुछ वर्ष पहले तक इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। किंतु अभी प्रदेश में व्यापक जनाधार और चुनावी सफलता की दृष्टि से यह कम है। लगातार 10 वर्ष सत्ता में होने के कारण वाम मोर्चा के विरुद्ध व्यापक असंतोष था और उनके सामने विकल्प के रूप में कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ था।

तो कुल मिलाकर इन परिणामों का भी निष्कर्ष यही है कि राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनाव के समय से काफी बदल चुका है। भारत के लोगों के लिए भाजपा अभी भी व्यक्तिगत - आंतरिक व राष्ट्रीय सुरक्षा, हिंदुत्व अभिप्रेरित व्यापक राष्ट्रवाद तथा, क्षेत्रीय अस्मिता को सकारात्मक महत्व देने वाली, आर्थिक विकास के प्रति प्रतिबद्ध, विरासत के संरक्षण तथा सामाजिक न्याय व लैंगिक समानता को सही परिपेक्ष में जमीन पर उतरने वाली पार्टी के रूप में मुख्य विकल्प बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्वमें 2014 लोकसभा चुनाव परिणाम से यह मीठा टूटा था कि बगैर मुस्लिम मत के केंद्र के में किसी पार्टी को अकेले बहुमत नहीं मिल सकता। बंगाल के चुनाव परिणाम में इस मिथक को अंतिम बार ध्वस्त कर दिया।

नजरिया

भगवा लहर ने ममता का क़िला किया ध्वस्त

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

बंगाल में भाजपा के प्रेरणा पुरुष और जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी का सपना साकार करते हुए भाजपा ने पहली बार इस प्रदेश में भगवा लहराने में सफलता हासिल कर ली है। वहीं मोदी और शाह की जोड़ी यहाँ पिछले 15 वर्षों से काबिज ममता बनर्जी की सत्ता को उखाड़ फेंकने में कामयाब हो गई है। अब तक के रुझान को देखकर भाजपा 200 सीटें जीतने के करीब है, जबकि तृणमूल कांग्रेस 100 सीटों तक सिमटने जा रही है। बंगाल में पिछले विभिन्न चुनावों पर नज़र दौड़ाएं तो हर चुनाव में हत्या, मारकाट आम बात थी। यह पहला चुनाव है जिसमें कोई हत्या नहीं हुई। हिंसा पर भी लगाम लगाया गया और भयमुक्त, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की सभी व्यवस्थाएं पुख्ता की गई। यह इसी का परिणाम था की लोगों ने भयमुक्त होकर मोदी और शाह की बात पर विश्वास कर भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त किया।

बंगाल में विधानसभा चुनाव में सर्वे और एग्जिट पोल से भी बहुत आगे जाकर भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज़ कर नया इतिहास रच दिया है। मतदाताओं ने एग्जिट पोल के अनुमानों पर ही अपनी मुहर लगाई है। भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 15 साल पुराने किले को आखिरकार ढहाने का बड़ा कारनामा कर दिखाया । ममता को सत्ता में रहते हुए 15 साल हो गए थे, ऐसे में टीएमसी

सरकार को सत्ता विरोधी लहर का सामना भी करना पड़ा। यहां भाजपा की आंधी स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। यह भी जाहिर हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का जादू जनता के सिर चढ़कर बोल रहा है। चुनाव के दौरान मोदी, शाह और योगी की लक्खी सभाओं के अलावा भाजपा ने छोटी छोटी सभाएं आयोजित कर मतदाताओं विशेषकर महिलाओं से सीधी बात की। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिगेड मैदान पर आयोजित पहली लक्खी जन सभा ने भाजपा की जीत की भविष्यवाणी कर दी थी। बंगाल को साधने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 रैलियां और तीन रोड शो किए वहीं अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने सौ से अधिक सभाएं, प्रदर्शन कर ममता को घेर लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी भाजपा की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। संघ के कार्यकर्ताओं ने घर घर जाकर भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील की थी। मुस्लिम संगठनों द्वारा तृणमूल कांग्रेस के साथ लामबंद होने का नुक्सान भी तृणमूल कांग्रेस को उठाना पड़ा। इसकी प्रतिक्रिया में हिन्दू मतदाताओं ने भाजपा की झोली वोटों से भर दी। इस जीत के पीछे बीजेपी की जबरदस्त रणनीति रही है। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार घुसपैठ सहित कानून-व्यवस्था, टीएमसी सरकार के भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी के मुद्दे को प्रमुख रूप से उठाया। अमित शाह ने चार मई दीदी गई का नारा बुलंद किया जिस पर लोगों ने विश्वास किया साथ ही तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की 'गुंडागर्दी' पर लगाम कसने और उन्हें 'उल्टा लटकाकर सीधा करने' की भी बात पर लोगों ने पूरी तरह विश्वास कर भाजपा को विजयश्री दिला दी। भाजपा ने ममता बनर्जी की छवि के सामने ब्रांड मोदी को खड़ा कर दिया जो भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता साबित हुआ। ड्खठ का फायदा भी भाजपा को मिला। इस दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बंगाल में भाजपा की जीत को लेकर बड़ा बयान दिया था। इस बहुचर्चित वीडियो में मोदी यह कहते नजर आ रहे हैं, 'गंगा जी यहां बिहार से बहते हुए ही बंगाल तक पहुंचती हैं। बिहार ने बंगाल में भाजपा की विजय का रास्ता भी बना दिया है। इसी के साथ वर्षों बंगाल की सत्ता पर काबिज रहने वाली कांग्रेस और कम्युनिष्टों का एक बार फिर सूपड़ा साफ़ हो गया है। भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में कड़ी मेहनत के साथ अपना जनाधार बढ़ाया। राज्य में 2016 के चुनाव में पार्टी ने 10 प्रतिशत वोट पाए थे, 2021 के चुनाव मे उनके वोट बढ़कर 38 प्रतिशत हो गए वहीं पिछले विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जीती थीं। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 39 प्रतिशत वोट हासिल किए थे।

पांच राज्यों के वोटों की काउंटिंग में जो रुझान अब तक सामने आए हैं, उसमें भाजपा ने पश्चिम बंगाल और असम में बड़ी बढ़त हासिल की है। वहीं केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट को बढ़त मिली है। तमिलनाडु में एग्जिट पोल के सर्वे को नकारते हुए मतदाताओं ने डीएमके को सत्ताच्युत करने का फैसला किया। यहाँ सुपर स्टार विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उबरी है। पुडुचेरी में भी भाजपा सरकार बना रही है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

एनटीआर के पदचिन्हों पर चले विजय, पार्टी की स्थापना के दो साल के अंदर हासिल की राजनीतिक सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/हैदराबाद। तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए टीवीके के बहुमत के आंकड़े की ओर बढ़ने के बाद पार्टी के संस्थापक विजय और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व तेलुगु सिनेमा के दिग्गज एन. टी. रामाराव (एनटीआर) के बीच एक दिलचस्प समानता सामने आई। विजय, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के संस्थापक एनटीआर के बाद दूसरे व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने अपनी पार्टी बनाने के दो साल के अंदर चुनावी सफलता हासिल की। दिवंगत मुख्यमंत्री एम. जी. रामचंद्रन ने 1972 में अपनी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) की स्थापना की थी, लेकिन वह 1977 में तमिलनाडु में सत्ता में आए थे। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना सोमवार को शुरू हुई, जिसमें विजय की टीवीके अपने द्रविड़ प्रतिद्वंद्वियों द्रमुक और अन्नाद्रमुक से आगे निकलती दिख रही है। 234 सदस्यीय विधानसभा में सरकार बनाने के लिए पार्टी को 118 विधायकों की जरूरत है। एनटीआर ने अपनी पार्टी बनाने के केवल

टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय के परिवार के सदस्य सोमवार को चेन्नई में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना के दौरान पार्टी के बढ़त लेने पर अपने घर पर सीटी बजाकर जश्न मनाते हुए।

नौ महीने के अंदर 1983 के आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करके 27 साल पुराने कांग्रेस शासन का अंत कर दिया था, जिसके बाद वह नौ जनवरी 1983 को मुख्यमंत्री बने थे। दो साल पहले अपनी पार्टी बनाने वाले विजय ने एक बार फिर साबित किया है कि फिल्मी लोकप्रियता को राजनीतिक सफलता में बदला जा सकता है, हालांकि कई अन्य सितारे ऐसा नहीं कर पाए। .दक्षिण भारत में फिल्मी सितारों का राजनीति में आना आम बात है, लेकिन कई अभिनेता लंबे समय तक अपनी राजनीतिक मौजूदगी बनाए नहीं रख सके। सुपरस्टार चिरंजीवी ने 2008 में अपनी पार्टी प्रजा राज्यम की स्थापना की थी, जिसका 2011 में कांग्रेस में विलय हो गया था। प्रजा राज्यम ने 2009 का विधानसभा चुनाव लड़ा और 294 सदस्यीय आंध्र प्रदेश विधानसभा में 18 सीट जीतीं। बाद में चिरंजीवी सक्रिय राजनीति से दूर हो गए। चिरंजीवी के भाई पवन कल्याण ने 2014 में जन सेना पार्टी की स्थापना की, लेकिन उस साल चुनाव नहीं लड़ा। उन्होंने 2019 में चुनाव लड़ा, लेकिन दोनों सीटों से हार गए। उनकी पार्टी से केवल एक उम्मीदवार जीता। हालांकि 2024 में उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के साथ गठबंधन कर शानदार प्रदर्शन किया और उनकी पार्टी ने उन सभी 21 सीट पर जीत हासिल की, जिनपर उसने चुनाव लड़ा था। तमिलनाडु में दिग्गज अभिनेता कमल हासन ने 2018 में मक्कल नीधि मय्यम की स्थापना की। उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव में कोयंबटूर साउथ से चुनाव लड़ा, लेकिन मामूली अंतर से हार गए। बाद में वह द्रमुक के साथ जुड़ गए और 2025 में राज्यसभा सदस्य बने।

एक अन्य लोकप्रिय तमिल अभिनेता विजयकांत ने 2005 में देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम (द्रमुक) की स्थापना की। उन्हें कैप्टन' के नाम से जाना जाता था। डीएमडीके ने 2006 में अपने पहले चुनाव में ही अच्छा प्रदर्शन किया और विजयकांत वृद्धाचलम सीट से जीते।

फिल्मों की तरह ही रोमांच और सस्पेंस से भरा साबित हुआ विजय का चुनावी पदार्पण

चेन्नई। अभिनेता से नेता बने विजय का चुनावी पदार्पण भी उनकी फिल्मों की तरह रोमांच और सस्पेंस से भरा रहा। हालांकि, 27 सितंबर 2025 को करूर में उनकी पार्टी तमिलागा वेत्री कषगम (टीवीके) की रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत होने के बाद उनके सियासी मंसूबों को थोड़ा धक्का जरूर लगा था। इस दुखद घटना ने कई मुद्दों को उजागर किया, जिसके बाद राज्य सरकार ने राजनीतिक बैठकों और रैलियों के आयोजन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) तैयार कीं। वहीं विजय को इस घटना के लगभग पांच महीने बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच का सामना करना पड़ा।

विजय (51) ने अपने पहले चुनावी मुकाबले में ही उल्लेखनीय प्रभाव डाला और यह साबित किया कि चुनावी लड़ाई सीधे तौर पर टीवीके और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच थी। टीवीके के एक नेता ने कहा, सत्ता विरोधी लहर और पहली बार वोट देने वाले युवाओं, महिलाओं और युवा मतदाताओं पर उनका प्रभाव पूरे राज्य में एक लहर में बदल गया। उन्होंने कहा कि विजय के करिश्मे और बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक होने की वजह से टीवीके के पक्ष में माहौल बना। विजय ने महिलाओं के लिए सुपर सिक्स चुनावी वादे किए, जिनमें छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर और मासिक वित्तीय सहायता शामिल है। सियासत में नए होने के कारण उनकी आलोचना भी हुई कि वह राजनीतिक भाषण भी फिल्मों के संवाद की तरह देते हैं। उनकी पार्टी का पूरा चुनावी अभियान काफी हद तक विजय के इर्द-गिर्द ही रहा।

केरल में मुख्यमंत्री को लेकर नेतृत्व का फैसला सबको स्वीकार्य होगा : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने केरल में पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन यूडीएफ की जीत को ''ऐतिहासिक'' करार देते हुए सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार तय करने में कोई समस्या नहीं होगी क्योंकि पार्टी नेतृत्व सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद अंतिम फैसला करेगा और यह सभी को स्वीकार्य होगा।

केरल विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक पायलट ने कहा कि चुनाव में पार्टी की यह शानदार जीत राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा देगी।

यह पूछे जाने पर कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा, पायलट नेकहा, ''हमने चुनाव से पहले प्रतिबद्धता जताई थी कि एक बार जब हम जनादेश हासिल कर लेंगे तो सभी निर्वाचित विधायक नेतृत्व, सभी हितधारकों, वरिष्ठ नेताओं और हमारे सहयोगियों के साथ बैठेंगे... हम सभी को विश्वास में लेंगे।

टीवीके प्रमुख विजय पेरंबूर सीट से जीते, नयी राजनीतिक दौर की शुरुआत

चेन्नई/भाषा

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने तमिलनाडु विधानसभा की पेरांबूर सीट पर सोमवार को जीत दर्ज की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के आर. डी. शेखर को हराया। बाद में, उन्होंने लोयोला कॉलेज मतगणना केंद्र पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त किया। मतगणना केंद्र के बाहर पीले और मैरून झंडों का सैलाब उमड़ पड़ा। इसके साथ ही विजय ने विधानसभा के लिये फिल्मी पर्दे को छोड़ दिया और एक ही झटके में दशकों से प्रदेश में चले आ रहे दो-दलीय प्रभुत्व को समाप्त कर दिया। विजय तिरुचिरापल्ली पूर्व से भी चुनाव मैदान में हैं और वहां से भी निर्णायक बढ़त बनाए हुए हैं। यह सिर्फ एक शुरुआत नहीं, बल्कि एक नये दौर के आगमन का संकेत है।

विजय ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में कमाया नाम, लेकिन हिंदी फिल्मों से बनाई दूरी

अभिनेता से नेता बने और तमिलनाडु के संभवतः अगले मुख्यमंत्री विजय दक्षिण भारतीय सिनेमा के एक बड़े सुपरस्टार हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि हिंदी फिल्म उद्योग में उनकी मौजूदगी बहुत कम या कहें कि न के बराबर रही है। लियो और मर्सल जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए मशहूर विजय ने 2012 की हिट फिल्म राउडी राठौर में नाममात्र की उपस्थिति दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने अभिनेता अक्षय कुमार और कोरियोग्राफर-निर्देशक प्रभु देवा के साथ एक मिनट से भी कम समय तक डांस किया था। फिल्म के गीत चिंता ता चिता चिता में विजय का परिचय खुद अक्षय ने ओह सुपरस्टार विजय कहकर कराया था। इसके अलावा शायद ही हिंदी फिल्मों में उनकी झलक दिखाई दी। उनकी कई तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्म हिंदी में डब की गई हैं और अब वे 'सबटाइटल्स' के साथ स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध हैं। इन फिल्मों में मास्टर, मर्सल, लियो और बिगिल शामिल हैं।

विजय की कुछ तमिल फिल्मों का हिंदी में रीमेक भी बनाया गया है, जिनमें वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन शामिल है। बेबी जॉन 2016 में आई विजय की एक्शन-थ्रिलर फिल्म थेरी का रीमेक है। इसके अलावा अक्षय कुमार की 2014 में आई फिल्म हॉलिडे विजय की 2012 की फिल्म थुप्पाकी पर आधारित थी। विजय (51) ने भी हिंदी फिल्मों से प्रेरणा ली। उन्होंने 3 इडियट्स फिल्म में आमिर खान का मशहूर किरदार 2012 की तमिल रीमेक ननबन में निभाया। हिंदी फिल्मों में काम करने के मामले में विजय दूसरे अभिनेताओं विजय सेतुपति, अल्लू अर्जुन, विजय देवरकोंडा, रजनीकांत तथा कमल हासन जैसे कलाकारों से अलग हैं। इन अभिनेताओं ने या तो हिंदी फिल्मों में काम किया है या फिर पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाई है।

टीवीके : पहले ही चुनाव में सत्ता तक पहुंचने वाला 'सियासी स्टार्टअप'

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिल फिल्मों के सुपरस्टार विजय ने अपनी सियासी पारी के आगाज से न सिर्फ सबको हैरान कर दिया, बल्कि उनकी पार्टी तमिलागा वेट्री कषगम (टीवीके) अपने गठन के दो साल के भीतर ही देश के उन चंद 'सियासी स्टार्टअप' में शामिल हो गई जो अपने पहले ही चुनाव में सत्ता तक पहुंचने में सफल रहे। टीवीके अब आम आदमी पार्टी, असम गण परिषद और तेलुगु देशम पार्टी जैसी पार्टियों की जमात में शामिल हो गयी है जो अपने पहले चुनाव में ही सत्तासीन हो गए।

आम आदमी पार्टी ने 2013 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी सियासी पारी की शुरुआत की थी और 70 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 28 सीटें जीती थीं और कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई थी। असम गण परिषद 1985 में अपने गठन के तुरंत बाद सत्ता पर काबिज हुयी थी। तेदेपा ने अपने गठन के एक साल बाद 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में 201 सीटें जीतकर भारी बहुमत के साथ जीत हासिल की थी। कुछ राजनीतिक दल अपने आगाज के साथ ही कामयाबी के शिखर पर पहुंच गए, लेकिन कई ऐसे दल भी रहे जिन्होंने अस्तित्व में आने के बाद अपने पहले चुनाव में शानदार दस्तक दी, लेकिन सत्ता में आने के लिए इंतजार करना पड़ा। पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी' चौतरफा चर्चा के बावजूद सफलता हासिल नहीं कर सकी।

इसी तरह अभिनेता कमल हासन की पार्टी मक्कल निधि मय्यम 2021 को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं मिली। टीवीके ने शुरू से ही जोरदार चर्चा पैदा की और अतीत में फिल्मी सितारों द्वारा बनाए गए कई राजनीतिक 'स्टार्टअप' के दक्षिण में अच्छे प्रदर्शन की तर्ज पर तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में इससे काफी उम्मीदें थीं।

केरल विधानसभा चुनाव : भाजपा के तीन उम्मीदवार विजयी

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव में भाजपा के तीन उम्मीदवार विजयी हुए हैं। पार्टी के उम्मीदवारों ने नेमोम, चथन्नूर और कजाकुट्टम में जीत हासिल की। भाजपा केरल के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने पुष्टि की कि पार्टी के नेतृत्व वाले राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) ने नेमोम और चथन्नूर में जीत हासिल की है। उन्होंने इसे कांग्रेस और माकपा के इस दावे का जवाब बताया कि भाजपा को राज्य में एक भी सीट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, आज नेमोम और चथन्नूर की जनता ने कांग्रेस और माकपा को करारा जवाब दे दिया है। भाजपा-राजग के राज्य में दो विधायक होंगे।

कजाकुट्टम विधानसभा सीट से उम्मीदवार वी मुरलीधरन ने अपनी जीत की पुष्टि की और पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को उनकी मेहनत एवं बलिदान' के लिए धन्यवाद दिया। निर्वाचन आयोग के अनुसार कोल्लम जिले के चथन्नूर से भाजपा उम्मीदवार बी बी गोपकुमार ने 4,398 मतों से जीत हासिल की है। आयोग के अनुसार, नेमोम में मतों की गिनती के 18 चरण में से 16 के बाद चंद्रशेखर 3,500 से अधिक मतों से आगे थे। वहीं मुरलीधरन अपने क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार से करीब 400 मतों से आगे थे। चंद्रशेखर ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने शुरू से कहा है, ''यह माकपा विरोधी चुनाव है क्योंकि लोग उसके भ्रष्टाचार और शबरिमला से कथित तौर पर सोने को गायब करने (जैसे मामलों) से तंग आ चुके हैं।'' चंद्रशेखर ने कहा कि चुनाव प्रचार की शुरुआत से ही कांग्रेस और माकपा, दोनों ने कहा था कि भाजपा को एक भी सीट नहीं मिलेगी।

त्रिशूर विधानसभा सीट से भाजपा की पद्मजा वेणुगोपाल को तीसरी बार निराशा हाथ लगी

त्रिशूर। केरल की सांस्कृतिक राजधानी त्रिशूर में अपने परिवार के लंबे राजनीतिक इतिहास और पिछले कुछ वर्षों में भाजपा के मतप्रतिशत में वृद्धि के बावजूद, के. करुणाकरण की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल की त्रिशूर विधानसभा सीट से जीतने की उम्मीदें सोमवार को तीसरी बार टूट गईं।

नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना सोमवार को हुई और निर्वाचन आयोग के अनुसार 16 दौर की मतगणना के बाद वेणुगोपाल को 28,662 वोट मिले तथा वह तीसरे स्थान पर रहीं। यूडीएफ के राजन जे. पल्लन 60,290 मतों के साथ विजयी रहे, जबकि भाकपा के अलंकोड लीलाकृष्णन (33,487 मत) को दूसरा स्थान मिला। वेणुगोपाल को खुद और भाजपा को भी इस बार जीत का पूरा भरोसा था, क्योंकि 2021 में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में वह मात्र 900 मतों से हार गई थीं। वर्ष 2016 में भी वह इसी सीट से लगभग 7,000 मतों से हारी थीं। दोनों ही बार भाकपा ने जीत हासिल की थी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस बार वह 31,628 मतों के अंतर से हार गईं।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन की करारी शिकस्त

कोट्टायम। केन्द्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन को केरल विधानसभा चुनाव में जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा और वह कांजिराप्पल्ली सीट पर तीसरे स्थान पर रहे। मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी और अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री कुरियन को भाजपा ने इस निर्वाचन क्षेत्र में ईसाई आबादी की अच्छी-खासी संख्या को देखते हुए चुनावी रण में उतारा था। जब मतगणना के 16 में से 15वें दौर की गणना पूरी हुई तो कुरियन तीसरे स्थान पर थे और कांग्रेस उम्मीदवार रोनी के. बेबी से 29,585 वोटों से पीछे चल रहे थे। निर्वाचन आयोग के अनुसार, बेबी को 56,646 वोट मिले जबकि केरल कांग्रेस के मौजूदा विधायक एन जयराज को 50,874 वोट प्राप्त हुए। कुरियन को 26,984 वोट मिले। हालांकि, भाजपा ने नेमोम और चथन्नूर विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की है।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम, एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए : रश्मि देसाई

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया, थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो। रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है। अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है। रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया। रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली। उन्होंने 'झलक दिखला जा', 'खतरों के खिलाड़ी', 'नच बलिये' जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया। सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में उनका कैमियो भी याद किया जाता है।

जीवन में ग्रेट नहीं, गुड बनना अति आवश्यक : आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वर

केसरवाड़ी जैन तीर्थ में 'जीवन निर्माण शिविर' शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सम्बोधि परिवार के तत्वावधान एवं आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी की निश्रा में पुझल स्थित केसरवाड़ी जैन तीर्थ में सोमवार प्रातः एक बच्चों एवं युवाओं के लिए सात दिवसीय 'जीवन निर्माण शिविर' का शुभारंभ हुआ जिसमें 250 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ लाभार्थी परिवारों द्वारा दीप प्रज्वलन, रजत स्तंभ परिवारों द्वारा परमात्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा केसरवाड़ी तीर्थ के ट्रस्टियों द्वारा पुष्प अर्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर नाकोड़ा जैन तीर्थ के अध्यक्ष रमेश मूथा ने कहा कि तीर्थ पर आने से मन की भावना पवित्र हो जाती है। उन्होंने युवाओं से शिविर के माध्यम से प्रभु वाणी को जीवन में उतारकर सकारात्मक परिवर्तन लाने का आव्हान किया तथा केसरवाड़ी ट्रस्ट की ओर से नूतन साध्वीजी की दीक्षा की विनंती भी रखी। पारसमल वैद ने शिक्षा के साथ संस्कारों के समन्वय को जीवन के लिए अनिवार्य बताया और युवाओं को मूल्यनिष्ठ जीवन जीने की बात कहीं।

आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी ने 'ग्रेट' और गुड' का अंतर समझाते हुए कहा कि ग्रेट वह है जो सुख की बात करे, जबकि गुड वह है जो हित की बात करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो मन को अच्छा लगे वह सुख है, किंतु जो हितकर हो, वही जीवन का वास्तविक मार्ग है। शिविर का उद्देश्य भी सुख नहीं, बल्कि हित की साधना है। आचार्यश्री ने उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को सहज हास्य के साथ गूढ़ जीवन संदेश देते हुए बताया कि हम प्रायः हित की बातों को टालते हैं, जबकि वही हमारे जीवन को सही दिशा देती हैं। उन्होंने 'गुड' बनने के लिए तीन सूत्र राइट, रेस्पेक्ट और रेस्पोंसेबिलिटी बताए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य 'राइट' होना चाहिए, माता-पिता और गुरुजनों के प्रति 'रेस्पेक्ट' होना चाहिए तथा जीवन में 'रेस्पोंसेबिलिटी' के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

आचार्यश्री ने स्वतंत्रता सेनानियों का उदाहरण देते हुए युवाओं में जिम्मेदारी का भाव जागृत किया और कहा कि जिस प्रकार उन्होंने देश के लिए बलिदान दिया, उसी प्रकार जिनशासन की रक्षा के लिए भी युवाओं को सजग रहना चाहिए। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि जिंदगी के संग्राम में जीतना है तो याद रखो, इतिहास शूरवीरों का बनता है। शिविर की सफलता के लिए उन्होंने तीन मंत्र बी फर्स्ट, बी फास्ट और बी फ्लेक्सिबल प्रदान किए। साथ ही जीवन को समझने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जिसमें मजा न हो, वह मस्ती किस काम की और शिविर में आकर भी जीवन न समझे, तो वह जिंदगी किस काम की। इस मौके पर लाभार्थी परिवारों, केसरवाड़ी तीर्थ के ट्रस्टियों, रजत स्तंभ परिवारों एवं मीडिया सहयोग हेतु राजेंद्र कामदार का सम्मान किया गया।

'रजत' अनुकम्पा समिति द्वारा छाछ, अन्नदान व गौशाला सहयोग सहित आठ सेवा कार्य सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) की अनुकम्पा समिति द्वारा अप्रैल माह में साहुकारपेट व चूलै मे करीब 4200 लोगों को छाछ वितरण की गई। इस मानवसेवा कार्य में ललित रांका, सुमेर बैद, गणपत कोठारी, गोलेछा परिवार, नेहा जयेश सोनी आदि का सहयोग रहा। साथ ही अयनावरम स्थित पिंजरापोल गौशाला में 1500 गौमाताओं को 2 टन तरबूज अजीत कुमार चोरडिया परिवार के सौजन्य से दिया गया। जैतारण जैन संघ के तत्वावधान में रमेश मनीष बोहरा परिवार द्वारा चूलै मे करीब 700 जनों को अन्नदान व छाछ वितरण किया गया एवं गुप्त दानदाता के सहयोग से कत्लखाने जाने वाली गोमाता को बचा कर सन्मति गौशाला आवडी भेजा गया। रजत का अध्यक्ष अजीत चोरड़िया व सचिव दिनेश कोठारी के नेतृत्व में अप्रैल माह में आठ अनुकंपा कार्य संपन्न हुए। अनुकंपा समिति के चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया। इन मानव सेवा कार्य में पूर्व चेयरमैन अजीत चोरडिया, चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी, को चेयरमैन दीलीप बोहरा, गणपत कोठारी, हनुमान सकलेचा, संयोजक सुमेर बैद, देवराज आच्छा, इंदर छाजेड़, ललित रांका, प्रवीण छाजेड, अजय नाहर, अजीत नागोरी, राजेन्द्र बेताला, दौलतराज बांठिया, सारिका हितेश बुरड़, शशिकला बुरड़, प्रसन्न बुरड़, प्रकाश बैद मुथा एवं अनेक सदस्यों ने सेवाएं दी।

नीरज मरोड़िया बने अग्रवाल नवयुवक संघ के अध्यक्ष व सौरभ अग्रवाल बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अग्रवाल नवयुवक संघ की वार्षिक साधारण बैठक रविवार को सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अध्यक्ष अमित अग्रवाल एवं सचिव कुणाल तोदी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष सांवरमल खेमका एवं सचिव पारस लोहिया उपस्थित थे। इस अवसर पर गिरीश अग्रवाल को 'प्राइड ऑफ सान्स सम्मान' से सम्मानित किया गया। बैठक में चुनाव अधिकारी मोहित अग्रवाल एवं अभय बंसल ने वर्ष 2026-27 के लिए नव-निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में नीरज मरोड़िया को अध्यक्ष, कुणाल तोदी को उपाध्यक्ष, सौरभ अग्रवाल को सचिव, सौरव मित्तल को सह-सचिव तथा दीपक गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को विधिवत शपथ दिलाई गई। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विशाल गोयल, तरुण मोदी, मधुसूदन खेमका, क्षितिज जिंदल, माहिम अग्रवाल, प्रथम गोयल, जनक गोयल एवं कुशल लोहिया शामिल हैं।

मां दुर्गा मंडल के सुन्दरकांड पाठ में गूंजी सुन्दरकांड की चौपाइयां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरपुरु। माँ दुर्गा भक्त मन्डल के तत्वावधान में रविवार को विजय अग्रवाल के निवास पर 1467वां सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण से शुरू हुआ जिसमें बड़ी संख्या में हनुमान भक्तों ने भाग लिया।

मंडल के अध्यक्ष अशोक शर्मा ने विजय अग्रवाल परिवार को सुन्दरकांड पाठ आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर मंडल के मूलचंद शर्मा, नवीन कुमार शर्मा, सुभाषचन्द्र गुप्ता, नन्दकिशोर पारीक, मनोज शर्मा, मनोज शर्मा, हीरालाल सरोज, बिसनलाल बोहरा, अशोक सैनी, वीरेन्द्र शर्मा, कांशीराम शर्मा, कार्तिक शर्मा,अरविंद सिंह, गोपाल शाह, दिलीप शर्मा, पवन पारीक आदि ने सुन्दरकांड वाचन में भाग लिया।

नारी सशक्तिकरण के लिए हमेशा तैयार रहीं साध्वीश्री प्रीतिसुधा : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर स्थित जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि कमलेश जी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए अपने प्रवचन में कहा कि मातृशक्ति को पुरुष के समान उपासना का अधिकार दिलाकर भगवान महावीर ने नई क्रांति का सूत्रपात किया।

उस मशाल को लेकर महासती प्रीतिसुधाजी ने गांव-गांव, शहर, घर-घर में चेतना का शंखनाद किया था। साध्वी प्रीतिसुधाजी की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए संतश्री ने कहा कि साध्वी प्रीतिसुधाजी ने नारी में संस्कारों का संचार, शिक्षा का प्रोत्साहन के साथ धार्मिक और सामाजिक कुप्रथा, बाल विवाह, मृत्यु भोज, दहेज, भ्रूण हत्या के खिलाफ प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि साध्वीश्री के प्रवचन सभा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ते थे।

राष्ट्रसंत ने कहा कि समय समय पर केंद्र और राज्य सरकारों के प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री प्रशासनिक अधिकारी प्रमुखों को मार्गदर्शन देकर साध्वीश्री ने उन्हे सन्मार्ग प्रदान किया। छुआछूत, व्यसन, फैशन और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से जनता को मुक्त करवाया। सादा जीवन-उच्च विचार उनके मूलभूत सिद्धांत जनता को प्रदान किए।ङ्क अंत में संतश्री ने साध्वीश्री के गुणों को याद करते हुए कहा कि साधना और परमार्थ उनके जीवन का अभिन्न अंग था। जीवदया, गोरक्षा उनका असली प्राण था।

अपमान और तिरस्कार की परवाह न करते हुए साध्वीश्री ने कठोर परिसह को सहन करते हुए मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, पंजाब, उत्तरप्रदेशल महाराष्ट्र कई राज्यों में हजारों किलोमीटर के पदयात्रा करते हुए मानवता का संदेश दिया। कौशलमुनिजी व घनश्याममुनिजी ने विचार व्यक्त किए। सक्षममुनिजी व अक्षतमुनिजीजी ने मंगलाचरण किया। इस मौके पर जयनगर के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली, प्रेमचंद मेहता, महेंद्र गन्ना, अंकुर खींचा, गिरीश जैन ने साध्वीश्री के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री पदम बोहरा ने संचालन किया।

समाज को अपनी योग्यता के अनुसार ही मिलते हैं नेता : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

जैन संतों ने हैदराबाद के लिए पद विहार प्रारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट । शहर से हैदराबाद वर्षावास के लिए प्रस्थान करते हुए सोमवार को जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने सकल संघ के समक्ष कहा कि किसी राजनेता का व्यक्तिगत रूप से जीत जाना बड़ी बात नहीं है। जातिगत, संप्रदायगत वोटों के आधार पर कोई भी आसानी से जीत सकता है और किसी को भी आसानी से हराया जा सकता है लेकिन राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति तभी सफल होती है, जब नेता और उसकी पार्टी के इरादे सही होते हैं। जो घमंड में डूबा हो, हिंसा के समर्थक हो, भ्रष्टाचार में डूबे हो, मर्यादाविहीन बोलते हो और जब चाहें तब दूसरे धर्मों का अपमान करते हो तो एक न एक दिन ऐसे नेताओं का घमंड टूटता हैं।

उन्हें औंधे मुंह की खानी पड़ती है। वे आखिरकार हार जाते हैं। दुनिया के बड़े बड़े राजनेता और तानाशाह इस प्रकार मिट्टी में मिल गए है। बुराइयां या बदइरादे हमेशा सफल नहीं होते। प्रकृति ही नहीं, प्रजा भी एक न एक दिन सबका हिसाब कर देती है। अनीति लंबे समय तक नहीं चलती। नीतिशास्त्रों में राजा को तो प्रजा का रखवाला कहा गया है। उसे भेदभाव की राजनीति से ऊपर उठकर समग्र प्रजा के हितों का ध्यान रखना होता है।

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि दोष मात्र नायक का ही नहीं होता, दोषी समाज भी होता है। हर काल में समाज को अपनी योग्यता के अनुसार ही नायक मिलते हैं। गलत नेता का उभरना इस बात का संकेत हैं कि समाज में गलतियां और विषमताएं हैं। उन्हें दूर करके ही हम सामाजिक उत्क्रांति का शंखनाद कर सकते हैं।

भ्रष्टाचार रहित, मानवता की भूमिका पर, निःस्वार्थ भावों से प्रजावत्सल बनकर जो अपने कर्तव्य निभाता है, वही सफल नेता कहलाता है। उन्होंने कहा कि लोग सुख-शांति और शकुन से जीना चाहते हैं। दुर्जन दूसरों को दुःख देकर खुश होते हैं, जबकि सज्जन अपने आसपास सुख-शांति की तलाश करते हैं। दिल्ली की राजगादी पर तो बहुत लोग आते और जाते हैं, पर लोगों के दिल में राज करने वाले ही असली नायक कहलाते हैं। जो प्रजा को मूर्ख बनाने या धोखा देने का प्रयास करते हैं, प्रजा उनकी सत्ता को समाप्त कर देती है। हर एक व्यक्ति को यह बात स्पष्ट रूप से याद रखनी चाहिए कि बार बार हर किसी को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता।

लोकतंत्र में प्रजा ही सबसे शक्तिशाली होती हैं। सभा के पश्चात शुभ मुहूर्त में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी तथा सहवर्ती श्रमणों ने हैदराबाद के लिए मंगल प्रस्थान किया। छोटे-बड़े सैकड़ों श्रद्धालुओं ने संतों को भावभीनी विदाई दी।

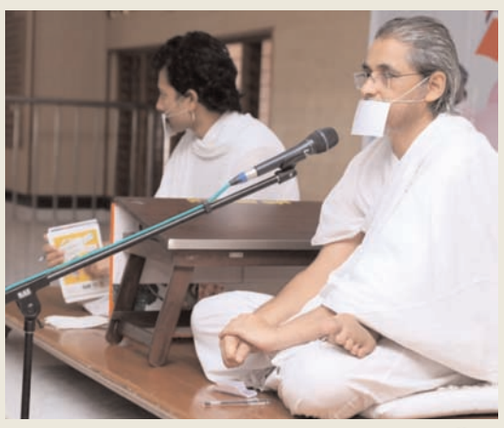

शत-प्रतिशत सफलता पाने के लिए मन की पूर्ण एकाग्रता अति अनिवार्य : डॉ. समकितमुनि

समकित संस्कार शिविर के दूसरे दिन बच्चों ने सीखे अनुशासन और भक्ति के सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड़ स्थानीय गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में चल रहे आठ दिवसीय 'समकित संस्कार शिविर' के द्वितीय दिवस पर उपस्थित सैकड़ों बच्चों ने जीवन को सफल बनाने के अचूक रहस्य सीखे। शिविर में डॉ. समकितमुनिजी ने अपने प्रवचन में बच्चों एवं उपस्थित जनमेदिनी को 'एकाग्रता' का महामंत्र दिया। जीवन के किसी भी क्षेत्र, चाहे वह विद्याध्ययन हो, खेल हो या आध्यात्मिक साधना, यदि शत-प्रतिशत परिणाम चाहिए, तो मन का एकाग्र होना सबसे पहली और अनिवार्य शर्त है। गुरुदेव ने कहा कि हमारा मन अपार शक्तियों का भंडार है, लेकिन जब तक हमारे विचार टीवी, मोबाइल या अनावश्यक बातों में भटकते रहेंगे, तब तक हमारी ऊर्जा बँटी रहेगी। जिस प्रकार सूर्य की बिखरी हुई किरणें कोई प्रभाव नहीं डालतीं, लेकिन जब उन्हें एक बिंदु पर केंद्रित कर दिया जाए, तो वे अग्नि उत्पन्न करने की शक्ति रखती हैं, ठीक उसी प्रकार, जब इंसान अपने चंचल मन को सब ओर से समेटकर केवल एक ही लक्ष्य पर पूरी तरह से केंद्रित कर देता है, तो वह असंभव को भी संभव कर दिखाता है। गुरुदेव ने बच्चों से कहा कि वे अपना ध्यान बाँटें नहीं, जो काम करें, उसमें अपना शत प्रतिशत दें। पढ़ते समय केवल पढ़ाई और खेलते समय केवल खेल, यही सफलता का सर्वोच्च विज्ञान है।

एकाग्रता ही वह शक्ति है जो साधारण विद्यार्थी को असाधारण बना देती है। ङ्कइस अवसर पर साध्वी सुप्रतिभाजी ने जीवन में सच्चे गुरु की महिमा का बखान करते हुए शिष्य की आध्यात्मिक यात्रा के चार अत्यंत महत्वपूर्ण चरण विस्तार से बताए। उन्होंने कहा कि जीवन में अज्ञान के अंधकार को मिटाने के लिए एक सच्चे और ज्ञानी गुरु की तलाश करना और उन्हें अपने जीवन में धारण करना चाहिए। यह वह सौभाग्यशाली क्षण होता है जब शिष्य का गुरु से भौतिक और आध्यात्मिक मिलन होता है, जहाँ से ज्ञान की धारा बहनी शुरू होती है।

हमें अपने अहंकार और 'मैं' भाव को मिटाकर स्वयं को पूर्णतः गुरु के चरणों में सौंप देना और उनके आदेशों को जीवन का लक्ष्य बना लेना चाहिए। जब शिष्य पूरी तरह से गुरु के रंग में रंग जाता है, तो शिष्य स्वयं गुरुत्व के उस सर्वोच्च पद और अवस्था को प्राप्त कर लेता है। कार्यक्रम के दौरान मुनि जयवंतजी ने अपने भावपूर्ण स्वरों में एक अत्यंत सुंदर 'गुरु भक्ति गीत' प्रस्तुत किया, जिसने पूरे पांडाल को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। शिविर के द्वितीय दिवस के अंत में मुख्य संयोजक लालचंद जैन ने सभी बच्चों के साथ संवाद किया। उन्होंने बच्चों को पूरे दिन की दैनिक रूपरेखा समझाई और आगामी आठ दिनों के लिए एक विस्तृत 'नियमावली' प्रदान की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.